www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 82 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
13 जून 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:12
सूर्यास्त: 07:00
अधिकतम: 36°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा... >> पेज 04 | अखिलेश की बेटी पर ... >> पेज 06 | काम दिलाने की आड़ में ठगे...

सीएम योगी बोले मोदी देश की आस्था को सम्मान देने वाले पहले पीएम

'25 करोड़ लोग गरीबी से उबरे'

प्रशंसा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ/नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों की सेवा के 12 वर्ष पूरे होने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत में केंद्र सरकार की उपलब्धियों को सराहा. उन्होंने कहा कि जब देश को लोकप्रिय और दूरदर्शी सोच वाला नेता मिलता है तो परिणाम आने में देर नहीं लगती.

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में पहली बार यह एहसास हुआ कि केवल योजना बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनके सफल क्रियान्वयन के लिए जनांदोलन खड़ा करना भी जरूरी है. आजादी के पहले भारत में लोगों की आजादी को रौंदी गई थी. आजादी के बाद भी मत, मजहब और सम्प्रदाय के नाम पर समाज को बांटने का काम हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)

पीएम मोदी ने कई बार दिया अपनी नेतृत्वक्षमता का प्रमाण

सीएम योगी ने कहा कि ये पीएम मोदी की नेतृत्वक्षमता का ही प्रभाव है कि जब भी उन्होंने देश से आह्वान किया पूरा देश एक साथ खड़ा हुआ। कोरोना की त्रासदी में पीएम मोदी के आह्वान पर एक साथ खड़ा हुआ। इसी तरह जब आजादी का अमृत महोत्सव शुरू हुआ तब भी पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा हो गया। पीएम मोदी ने आजादी के बाद पहली बार गुलामी की मानसिकता को समाप्त करने का प्रयास किया और प्रधानमंत्री आवास का नाम बदलकर सेवातीर्थ किया और राजभवन का नाम जनभवन किया।

पीएम मोदी के 12 साल : योगी बोले, बदलते भारत की नींव रखी

4 करोड़ परिवारों को सिर ढकने के लिए पक्का मकान दिया गया

सीएम योगी ने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 4 करोड़ परिवारों को सिर ढकने के लिए पक्का मकान दिया गया. गरीबों को अस्पताल में उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा और आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई. नए उद्यमियों के लिए मुद्रा योजना, युवाओं के लिए स्टार्टअप योजना और भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने की दिशा में किए गए कामों ने देश को नई पहचान दी. उनके अनुसार, ये 12 वर्ष आस्था और आर्थिकी के वृहद संगम के रूप में देश ने पहली बार देखा.

■ सीएम योगी ने आंकड़े देते हुए बताया कि जब पीएम मोदी ने देश की सत्ता संभाली तब देश की आबादी 120 करोड़ थी. केंद्र द्वारा चलाए गए सफल कार्यक्रमों से 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में सफलता मिली.

लोक भवन में पत्रकारों से बातचीत में सीएम योगी ने कहा, हमने बदलते भारत को देखा है. 2014 से पहले का भारत और 2014 के बाद का भारत. आज की युवा पीढ़ी गर्व कर सकती है. भारत ने तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए, बिना रुके, बिना डिगे, अपनी सामर्थ्य का एहसास दुनिया को दिखाया है.

12 वर्ष देश के इतिहास में परिवर्तनकारी कालखंड के रूप में यादगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल आर्थिक प्रगति की है, बल्कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय स्वाभिमान को भी मजबूती मिली है. बीते 12 वर्ष देश के इतिहास में परिवर्तनकारी कालखंड के रूप में याद किए जाएंगे।

सीएम योगी ने 45 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी, 11 लखनऊ और 34 बसें नोएडा में चलेंगी

जेवर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी होगी और मजबूत

अयोध्या की बदली तस्वीर का किया जिक्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में अयोध्या के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्षों तक उपेक्षा का सामना करने वाली रामनगरी आज आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो रही है। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतर-राष्ट्रीय हवाई अड्डा संचालित हो रहा है, जिससे प्रदेश की बदलती तस्वीर स्पष्ट दिखाई देती है।

लगभग चार लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क विकसित

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश खराब सड़कों, कमजोर कानून-व्यवस्था और निवेश के प्रतिकूल माहौल के लिए जाना जाता था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश विश्वस्तरीय सड़क और एयर कनेक्टिविटी के साथ देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में लगभग चार लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क विकसित किया जा चुका है, जिसने निवेश और विकास को नई गति दी है।

उत्तर प्रदेश के संदर्भ में सीएम योगी ने कहा कि यह देश का सबसे बड़ा आबादी वाला राज्य है. पहले यह पहचान के लिए मोहताज था. राज्य में अराजकता, असुरक्षा, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार चरम पर था. नौजवानों के लिए न तो राज्य में नौकरी थी और न ही राज्य के बाहर पहचान थी, लेकिन प्रधानमंत्री के विजन का लाभ उठाकर उत्तर प्रदेश ने अपनी तस्वीर बदली है.

नामांकन रद्द होने के खिलाफ मीनाक्षी की याचिका खारिज

कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीधे रिट याचिका नहीं सुनी जा सकती

चुनौती

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली/भोपाल । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीधे रिट याचिका नहीं सुनी जा सकती। अगर उन्हें फैसले पर आपत्ति है तो वे चुनाव याचिका दायर करें।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एएस चंदूरकर की बेंच ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 329 चुनाव प्रक्रिया में अदालतों के हस्तक्षेप को सीमित करता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस मामले में रिट पिटीशन पर सुनवाई नहीं कर सकता। नामांकन रद्द करने का फैसला सही था या गलत, अदालत ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। कोर्ट ने कहा- चुनाव से जुड़े ऐसे विवादों का समाधान चुनाव याचिका के जरिए किया जाना चाहिए।

■ मीनाक्षी ने कहा था- चुनाव लड़ने दिया जाए
■ सिंघार ने कहा- चुनाव आयोग ने लोकतंत्र का गला घोंटा

>> (शेष पेज 06 पर)

ईरान ने भारतीय जहाजों पर हमले की कोशिश की : ट्रम्प

हमने नाकाम किया, उन्हें अपनी हरकतें सुधारनी चाहिए

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

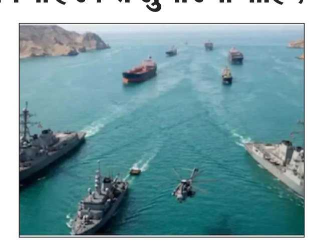

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने कल रात होर्मुज स्ट्रेट से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमला करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिकी सेना ने इसे नाकाम कर दिया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान को अपनी हरकतें जल्द से जल्द सुधारनी चाहिए।

उन्होंने समझौते की शर्तें लीक करने को लेकर भी ईरान की आलोचना की। ट्रम्प ने कहा कि ईरान की तरफ से मीडिया में जो खबरें और दावे किए गए हैं, वे उस समझौते से मेल नहीं खाते जिस पर दोनों देश तैयार हुए हैं

■ अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- ईरान को डील के बदले कोई पैसा नहीं मिलेगा

ट्रम्प का आरोप है कि ईरान ने मीडिया में गलत जानकारी दी है और यह दिखाने की कोशिश की है कि समझौता उसकी शर्तों पर हुआ है, जबकि हकीकत कुछ और है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

भारतीय सेना को मिले 106 कामिकाजे ड्रोन

नई दिल्ली। भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी रक्षा कंपनी SMPP ने सेना को 106 टर्बोजेट इंजन से चलने वाले 'कामिकाजे' ड्रोन सौंप दिए हैं। इन्हें 'पीसकीपर (अग्निवेग)' नाम दिया गया है।

मौसम अलर्ट

मानसून झारखंड-ओडिशा पहुंचा, 9 दिन में 19 राज्य कवर

भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश में मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में इसकी एंट्री हो गई। हालांकि, महाराष्ट्र में मानसून की रफ्तार अभी धीमी ही है। अगले 3 दिन में मानसून के छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में एंट्री करने की संभावना है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। IMD के मुताबिक, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव है। आज मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 22 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

दिल्ली के तुगलकाबाद में बिल्डिंग में आग

नई दिल्ली । दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई।

महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी से जनता त्रस्त : अखिलेश यादव

कासगंज में अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला

■ उर्मिला गार्डेन के उद्घाटन समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री ने किसानों, युवाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे उठाए, 2027 में सपा सरकार बनने का दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कासगंज के सोरों गेट स्थित उर्मिला गार्डेन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि प्रदेश में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम पर है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा कासगंज और आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी सरकार ने मरीजों की सुविधा के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इस व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। महिलाओं के लिए शुरू की गई 102 एम्बुलेंस सेवा की स्थिति भी खराब हो चुकी है।

>> (शेष 06 पर)

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में एटा में प्रदेश का सबसे बड़ा बिजली कारखाना स्थापित किया गया और सड़कों का व्यापक निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है।

कॉकरोच पार्टी चीफ बोले आंदोलन सबसे बड़ी देशभक्ति, पीछे नहीं हटेंगे

'जेल जाना पड़ेगा तो पहले मैं जाऊंगा'

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ अभिजीत दीपके शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमारा देश एक आंदोलन से बना था। आंदोलन नहीं हुआ होता तो आज आजादी भी नहीं मिलती। अगर देश में इमरजेंसी के खिलाफ आंदोलन ना होता तो आज लोकतंत्र ना होता। आंदोलन करना सबसे बड़ी देशभक्ति है। उन्होंने कहा कि कोई भी सरकार से सवाल करने से नहीं डरता है। हमें यह आंदोलन जारी रखना है। कोई पीछे नहीं हटेगा। अगर जेल जाने की जरूरत पड़ी, तो सबसे पहले मैं जेल जाऊंगा। ये बातें अभिजीत दीपके ने आज, शुक्रवार को लखनऊ के इको गार्डन में कहीं।

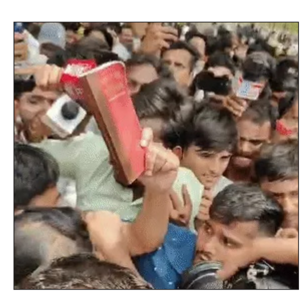

>> (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ में छात्रों के प्रदर्शन में पहुंचे

पुलिस के सुरक्षा घेरे में पहुंचे अभिजीत दीपके

अभिजीत गुरुवार देर रात 2.20 बजे लखनऊ पहुंचे थे। उन्होंने टीम इंडिया की टी-शर्ट पहन रखी थी। अमौसी एयरपोर्ट पर दीपके ने कहा था- हम दिल्ली और पुणे की तरह ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। हम कहीं से कुछ भी गलत नहीं कर रहे हैं। बस लोकतंत्र में अपनी बात रख रहे हैं, जो हमारा संवैधानिक अधिकार है। शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे अभिजीत दीपके हाथ में संविधान की किताब लेकर इको गार्डन पहुंचे। उन्हें पुलिस ने सुरक्षा घेरे में अंदर तक पहुंचाया। प्रदर्शन के दौरान RAF (रैपिड एक्शन फोर्स), पीएसी और लोकल पुलिस के 1500 से ज्यादा जवान तैनात रहे। बता दें कि अभिजीत दीपके की कॉकरोच पार्टी ने इससे पहले 11 जून को पुणे और 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था।

घटना : 4 हजार ईवीएम जलीं, मंत्री बोले- 10 सीटों पर इस्तेमाल हुईं, साजिश की आशंका

कोलकाता की सरकारी बिल्डिंग में आग

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक सरकारी बिल्डिंग में आग लगने से करीब 4 हजार EVM जल गईं। ये मशीनें विधानसभा चुनाव में 10 सीटों पर इस्तेमाल की गई थीं।

घटना के बाद TMC, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि आग सामान्य नहीं लगती। FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बिल्डिंग में दक्षिण 24 परगना जिला परिषद समेत कई सरकारी दफ्तर हैं। आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब 24 घंटे लगे।

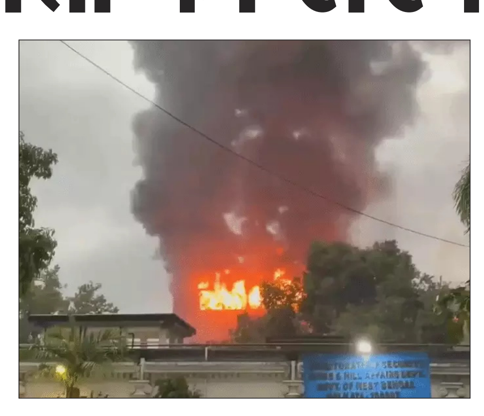

■ बिल्डिंग में आग का ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है।

TMC ने X पर आग का वीडिया शेयर कर लिखा, "4 हजार कंट्रोल यूनिट, 4 हजार बैलेट यूनिट और 4 हजार VVPAT मशीनें नष्ट हो गईं। ये मशीनें कस्बा, जादवपुर, बेहाला ईस्ट, बेहाला वेस्ट, मेटियाबुरुज, सतगछिया और डायमंड हार्बर सब-डिवीजन की कई विधानसभा सीटों से जुड़ी थीं।" कांग्रेस ने कहा- सरकार और चुनाव आयोग को यह साफ करना चाहिए कि आग कैसे लगी और नौवीं-दसवीं मंजिल तक कैसे पहुंची? AAP ने कहा- आखिर ऐसा क्या हुआ कि एक सरकारी भवन में इतनी भीषण आग लग गई?

टीएमसी, आप बोली- भाजपा जवाब दे

मंत्री बोले-यह कोई सामान्य घटना नहीं

पीटीआई के अनुसार घटनास्थल का दौरा करने के बाद चौधरी ने कहा कि यह सामान्य आग नहीं लगती। हम जांच कर रहे हैं कि क्या कोई तोड़-फोड़ की गई थी। अभी यह साफ नहीं है कि आग नौवीं और दसवीं मंजिल तक कैसे पहुंची। उन्होंने कहा कि आग सबसे पहले इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल पर देखी गई थी। चौधरी ने कहा कि घटना के बारे में बेहतर जानकारी के लिए वह फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

■ यह चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को प्रभावित किए बिना सातवीं और आठवीं मंजिल तक कैसे पहुंची? पूरे मामले की जांच चल रही है।

-कौशिक चौधरी, राज्य मंत्री बंगाल सरकार

>> (शेष पेज 06 पर)

ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता में एफआईआर

चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण देने का आरोप

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में FIR दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 9 मार्च को चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण दिया था। यह शिकायत तुषार कांती दास ने की है। उनका कहना है कि ममता के बयान से सांप्रदायिक सौहार्द और राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंच सकता था। इधर, फर्जी हस्ताक्षर मामले में शुक्रवार को CID की टीम TMC सांसद और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची। इस दौरान अभिषेक के वकील भी वहां पहुंचे। एडवोकेट देबाशीष राय ने कहा कि CID ने हमें कोई सूचना नहीं दी है। फिलहाल हमें नहीं पता कि CID टीम यहां क्यों आई है।

■ किरेन रिजिजू ने कहा था- परेशान करने वाला बयान

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 27 मई को ममता बनर्जी का भाषण X पर शेयर किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

बोली- आज मैं सुनवाई करूंगी, गवाह और सबूत पेश करिए, पुलिस ने खींचकर उतारा

जिला जज की कुर्सी पर बैठी महिला

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शुक्रवार सुबह 9 बजे जिला जज की कुर्सी पर एक महिला बैठ गई। कुर्सी पर बैठते ही हैमर पटकते हुए चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर। वकीलों से कहा- आज मैं जिला जज हूं। गवाह और सबूत पेश करिए। आज सारे मामले की सुनवाई मैं करूंगी। जो भी काम हो हमको बताया जाए।

इसके बाद फाइलें उठाकर उनको पलटना शुरू कर दिया। एकाएक हुए इस घटनाक्रम से वकील चौंक गए। उन्होंने वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला भड़क गई। वकीलों ने महिला को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह कुर्सी पर ही बैठी रही। जज की कुर्सी में वंदना के

बैठने की सूचना मिलते ही कई वकील दौड़ते हुए कोर्ट रूम पहुंचे। उन्होंने वंदना से कुर्सी से नीचे उतरने को कहा। लेकिन वह नहीं मानी। वकील डायस के पास पहुंचे तो वह उन पर चिल्लाने लगी। पास आने वालों को धमकी दी। इसके बाद महिला पुलिस बल को बुलाया गया। पुलिस ने वंदना को जिला जज की कुर्सी से नीचे उतारा। घटना की जानकारी पर अपर जिला जज यजुवेंद्र विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई। संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए।इसके बाद न्यायालय प्रशासन ने सभी प्रवेश द्वारों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए हैं कि उक्त महिला को कचहरी परिसर में प्रवेश न करने दिया जाए। घटना के बाद न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

महिला पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर कैंट थाने लेकर चली गई। करीब एक घंटे तक यह ड्रामा चला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला जज अवकाश पर थे।

वकील वीडियो बनाने लगे तो वंदना उन पर भड़क गई।

कुर्सी पर बैठते ही महिला चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर

शुक्रवार सुबह जिला कोर्ट खुला। कर्मचारियों ने जिला जज समेत सभी कोर्ट में आज सुनवाई के लिए प्रस्तावित मुकदमों की फाइलें रख दीं। तभी शिवपुर निवासी बुज गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता (50) कोर्ट में घुस आईं।जिला जज के आने का समय पूछा। कुछ देर बाद वह जिला जज की डायस पर पहुंच गईं और कुर्सी पर बैठ गई। हैमर उठाकर टेबल पर पटकते हुए जोर से चिल्लाकर कहा-ऑर्डर-ऑर्डर। यह सुनकर कोर्ट रूम में मौजूद वकील खड़े हो गए। यह देखकर वंदना गुप्ता बोली कि आप लोग खड़े मत हो। गवाह और सबूत पेश करिए। जो भी काम हो मुझे बताइए।

शादी के 3 दिन बाद युवक की मौत फंदे से लटका मिला शव

मृतक का भाई सुशील भी अचानक हुआ लापता

तमसा संकेत, एजेंसी

हंडिया । प्रयागराज में शादी के महज 3 दिन बाद एक युवक की मौत हो गई। उसका शव घर से करीब 150 मीटर दूर एक नीम के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा गया। वहीं, मृतक का भाई सुशील भी अचानक लापता हो गया है।

हंडिया थाना क्षेत्र के बनपुरवा गांव के रहने वाले संतोष कुमार (28) की 7 जून को शादी हुई थी। 8 जून को दुल्हन की विदाई के बाद वह घर लौटा था। परिजनों के मुताबिक, 10 जून की शाम वह घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं आया।

अगली सुबह गांव के लोगों ने उसका शव पेड़ से लटका देखा और

संतोष कुमार, मृतक

परिवार को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की मां ने जमीन विवाद के चलते हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या मान रही है।

हालांकि, सुशील के लापता होने और संतोष की मौत के बीच किसी संबंध की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। फिलहाल

पुलिस जमीन विवाद समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

संतोष कुमार की मां लालती देवी ने पड़ोसी सुभाष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लालती देवी का कहना है कि परिवार की सुभाष से लंबे समय से जमीन को लेकर रंजिश चल रही है। उनके बेटे संतोष की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया, ताकि मामले को आत्महत्या का रूप दिया जा सके।

फास्ट न्यूज

तनिष्क शोरूम से करोड़ों की ज्वेलरी चोरी

गाजियाबाद । गाजियाबाद के राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम से करोड़ों रुपए के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही कविनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर पूरे घटनाक्रम की पड़ताल शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शोरूम के सेल्समैन नितिन वर्मा की भूमिका संदिग्ध पाई गई है।

ओमकार हत्याकांड के 2 मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

लोनी। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में डेयरी संचालक ओमकार की हत्या और अपहरण मामले में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान 50-50 हजार रुपए के इनामी सौरभ और गोपाल के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले का एक अन्य 50 हजार का इनामी आरोपी अभी भी फरार है।

अयोध्या-रायबरेली हाईवे बना हादसों का हॉटस्पॉट

अयोध्या। अयोध्या-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक महीने के दौरान कुमारगंज, इनायतनगर, पूरा कलंदर और कैंट थाना क्षेत्रों में करीब 80 सड़क हादसे दर्ज किए गए हैं। इन दुर्घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

27 साल की एमबीबीएस डॉक्टर फंदे पर लटकी

सुसाइड नोट में लिखा-अब और नहीं झेल सकती

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। इटावा में MBBS छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी। आत्महत्या से पहले उसने सुसाइड नोट लिखा, जिसमें कहा- मैं अब डिप्रेशन और एंजाइटी नहीं झेल सकती। मैं सभी से माफी मांगती हूं। आप सभी का हर चीज के लिए शुक्रिया।" छात्रा सौम्या (27) ने नोट में अपने टैबलेट में दो वीडियो होने की बात भी लिखी। टैबलेट का पासवर्ड पिता के मोबाइल का पासवर्ड बताया।

बताया जा रहा है कि उसने 16 दिन पहले भी आत्महत्या की कोशिश की थी, लेकिन बाद में अपना मन बदल लिया था। MBBS के बाद वह NEET-PG की तैयारी कर रही थी। मामला फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र का है।

इटावा शहर के अर्जुननगर पक्का बाग इलाके में रविकांत दीक्षित अपने

सौम्या दीक्षित, मृतक

परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी पप्पी दीक्षित हाउसवाइफ हैं। उनके दो बच्चे हैं। बेटा शिव दीक्षित (32) बेंगलुरु की एक कंपनी में इंजीनियर है। बेटी सौम्या दीक्षित ने कानपुर की रामा यूनिवर्सिटी से MBBS पूरा कर लिया था। वह NEET-PG की तैयारी कर रही थी। रविकांत का कोल्ड स्टोरेज और ईंट भट्ठे का कारोबार है। पप्पी दीक्षित बड़े बेटे के पास बेंगलुरु गई हुई थीं। गुरुवार को सौम्या दिनभर घर में अकेली थी। रोज की तरह पिता सुबह कोल्ड स्टोरेज चले गए थे। रात करीब साढ़े 8 बजे वह घर लौटे। घर का दरवाजा अंदर से बंद था।

पेड़-पोल उखड़े, 15 शहरों में बरसात, आज 75 जिलों में अलर्ट, बारिश का पानी घरों में घुसा

यूपी में आंधी-बारिश, सड़कें डूबीं, अस्पताल में पानी भरा

मेरठ में गुरुवार देर रात 11:30 बजे आकाशीय बिजली गिरने मकान की छत ढह गई। मलबे में दबने से 18 साल के युवक की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। गुरुवार देर रात से आगरा, मथुरा, सहारनपुर, हापुड़, शामली और हाथरस में रुक-रुक कर जोरदार बारिश हुई। सहारनपुर में तूफान के साथ इतनी बारिश हुई कि सड़कें डूब गईं। लोगों के घुटनों तक पानी भर गया। बारिश का पानी घरों में घुस गया।

शामली में नगर पालिका परिसर, अस्पतालों में कमर तक पानी भर गया। हापुड़ में भी आंधी चली। हाथरस में पेड़ और पोल उखड़ गए। घंटों बिजली गुल रही। शुक्रवार तड़के बाराबंकी, लखीमपुर-खीरी, फर्रुखाबाद, एटा, बिजनौर और

बीते 24 घंटे की बात करें तो गोरखपुर-मेरठ समेत 52 शहरों में आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। इस दौरान 4.9 मिमी बारिश हुई। जबकि, वैज्ञानिकों ने महज 1.5 मिमी बारिश का अनुमान लगाया था। हालांकि, एक से 11 जून के बीच बारिश ने मायूस किया है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि 11.8 मिमी बारिश हुई। 17.3 मिमी बरसात होनी चाहिए थी।

बागपत में झमाझम बारिश हुई। लखनऊ में बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई है। आज सभी 75 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। 16 जिलों में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग (IMD) का कहना है कि प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो गया है।

फर्रुखाबाद में 2.7 मिमी बारिश, पारा 7 डिग्री गिरा

फर्रुखाबाद में शुक्रवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अब तक 2.7 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। बारिश से तापमान में करीब 7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। 35 डिग्री से पारा लुढ़कर 28 डिग्री आ गया है।

लखीमपुर खीरी में रिमझिम बारिश, ठंडी हवाओं से बदला मौसम

लखीमपुर खीरी के निघासन तहसील क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे रिमझिम बारिश शुरू हो गई। बारिश से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। किसानों ने भी बारिश को फसलों के लिए लाभदायक बताया है। हालांकि बारिश के चलते कुछ स्थानों पर लोगों को आवागमन में हल्की परेशानी का सामना करना पड़ा।

कैग से ऑडिट की भी मांग, बीजेपी नेता ने दोबारा लेटर लिखकर मोदी से की शिकायत

राम मंदिर चढ़ावे की सीबीआई जांच हो- हाईकोर्ट में याचिका

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में चोरी का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में पहुंच गया है। शुक्रवार को लखनऊ के रहने वाले अधिवक्ता मोहित अशोक ने जनहित याचिका (PIL) दाखिल की है। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से जांच और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) से स्पेशल ऑडिट की मांग की है। इस मामले में अगले सप्ताह सोमवार या मंगलवार को सुनवाई होने की संभावना है। अधिवक्ता मोहित अशोक ने आवश्यक होने पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने का अनुरोध किया है।

याचिकाकर्ता ने कहा, करोड़ों

हिंदुओं की आस्था भगवान श्रीराम से जुड़ी है। मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और वित्तीय लेखा परीक्षण जरूरी है। उन्होंने याचिका में केंद्र सरकार, यूपी सरकार, सीबीआई, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को पक्षकार बनाया है। मंत्री सूर्य प्रताप शाही शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा- यह राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का आंतरिक मामला है और ट्रस्ट ने इसकी जांच शुरू कर दी है। जो भी आवश्यक कार्रवाई होगी, वह की जाएगी। किसी की आस्था के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। अयोध्या के भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर ट्रस्ट के आय-व्यय का लेखा-जोखा सार्वजनिक करने और सीबीआई जांच की मांग भी की है। इससे पहले भी उन्होंने पीएमओ से इस मामले की शिकायत की थी। अयोध्या के सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जानी चाहिए।

12 घंटे बाद ही पुलिस ने कर दिया था एनकाउंटर

पुलिस ने घटना के करीब 12 घंटे बाद 9/10 जून की रात आरोपी गुड्डू की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की। लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायर कर दिया। गनीमत थी कि गोली थाना प्रभारी की सरकारी गाड़ी के अगले शीशे पर लगी। जवाबी फायरिंग में आरोपी के दोनों पैरो में गोली लगी। रात में ही उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार को पुलिस ने उसे जेल भेजा था।

मां ने दुष्कर्म करते आरोपी को पकड़ा

वारदात 9 जून की है। दोपहर करीब 1 बजे 28 साल का गुड्डू पड़ोसी के मकान में घुस गया। उसने वहां एक साल की बच्ची के साथ रेप किया। चीख सुनकर मां दौड़कर बच्ची के पास गई तो आरोपी दुष्कर्म कर रहा था। उसको हटाने के लिए मां ने आरोपी की पीठ पर कई डंडे मारे। उसके बाद आरोपी भाग गया। पिता की शिकायत पर पुलिस ने FIR दर्ज की।

डाई से बने मिट्टी के गिलासों ने चाय का मजा कर दिया किरकिरा

क्या प्रभाव पड़ेगा स्वास्थ्य पर ? यह एक यक्ष प्रश्न है

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । मिट्टी की भीनी भीनी सुगंध बरबस ही कुल्हड़ो में चाय की चुस्कियां लेने पर विवश कर देती है चाय पीने का असली मजा तो मिट्टी के कुल्हड़ो में ही है परंतु डाई से निर्मित मिट्टी के गिलास चाय के शौकीन लोगों की चाय का मजा किरकिरा कर रहे हैं ।

अपने देश की मिट्टी की भीनी भीनी सुगंध की खुश्बू यदि चाय की चुस्कियां में समाहित हो जाए तो चाय का मजा दूना बढ़ जाता है पुराने जमाने में शादी विवाह जैसे शुभ अवसरों पर प्रायः मिट्टी के कुल्हड़ो का ही प्रयोग किया जाता था जिसकी मिट्टी की सुगंध आज भी चाय की चुस्कियां लेने पर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं परंतु बदलते परिवेश में धीरे-धीरे इस कला पर ग्रहण लग गया लोग कृत्रिम रूप से बनाए गए गिलासो में चाय की चुस्कियां लेना शुरू कर दिए । परन्तु लोगों को फलतः धीरे-

धीरे इन कृत्रिम गिलासो से लोगों का मोहभंग होने लगा और समाज में मिट्टी के कुल्हड़ो की मांग बढ़ने लगी लोगों के जेहन में मिट्टी के कुल्हड़ो की सुगंधित अनुभव अच्छा लगता हैं। सवाल बड़ा ! कुछ होशियार लोगों ने डाई से मिट्टी के गिलासों को कलात्मक रूप देकर कुल्लड़ के स्थान पर निर्माण करना शुरू कर दिया देखने में तो वे कुल्लड़ की अपेक्षा सुंदर दिखाई दिए परंतु उससे लोगों की चाय का मजा किरकिरा हो गया मुंह का स्वाद खराब होने लगा ।

घटना : फिरोजाबाद में शताब्दी एक्सप्रेस का ई-1 कोच बना निशाना, कानपुर से दिल्ली जा रहे थे

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर पथराव

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। फिरोजाबाद में संघ प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर गुरुवार शाम को पथराव हुआ। पत्थर सीधे उसी बोगी पर लगा, जिसमें वह बैठे थे। इससे खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत कानपुर से शताब्दी एक्सप्रेस से नई दिल्ली जा रहे थे। भागवत एग्जीक्यूटिव क्लास के E-1 कोच में थे। ट्रेन जब मक्खनपुर-फिरोजाबाद के बीच से गुजर रही थी, तभी अचानक बोगी को निशाना बनाकर पत्थर फेंका गया। गनीमत रही कि इस पथराव में संघ प्रमुख सुरक्षित रहे।

सुरक्षा को देखते हुए ट्रेन को बीच रास्ते में कहीं भी नहीं रोका गया।

घटना की सूचना मिलते ही टूंडला जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के आला अधिकारी भारी फोर्स के साथ मुस्तैद हो गए। शाम 7:34 बजे जैसे ही शताब्दी एक्सप्रेस टूंडला जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर आकर रुकी, सुरक्षा घेरा बेहद सख्त कर दिया गया। टूंडला जंक्शन पर सुरक्षा जांच करने के बाद ट्रेन को शाम 7:41 बजे दिल्ली रवाना कर दिया गया। वहीं, आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमों ने मक्खनपुर-फिरोजाबाद रेल खंड के आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। इससे पहले भागवत गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे नीतू सिंह की बेटी के आशीर्वाद समारोह में शामिल होने पहुंचे।

वर और वधु पक्ष के लोगों ने मोहन भागवत के साथ ग्रुप फोटो क्लिक कराई।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए

यूपी सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह आशीर्वाद समारोह में शामिल होने के लिए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर वसुंधरा और यश को शुभकामनाएं दीं।

संघ प्रमुख की ट्रेन पर पथराव

- संघ प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर पथराव हुआ है। पत्थर सीधे उसी बोगी पर लगा, जिसमें भागवत मौजूद थे।
- इससे खिड़की का एक शीशा टूट गया। इस घटना से रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई।

विनय कटियार आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए

विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ नेता विनय कटियार आशीर्वाद समारोह में शामिल होने के लिए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर वसुंधरा और यश को शुभकामनाएं दीं।

पुल निर्माण को लेकर तेज हुई पहल

विधायक शरद अवस्थी के माध्यम मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विधानसभा क्षेत्र रामनगर के अंतर्गत घाघरा नदी पर प्रस्तावित हेतमापुर पुल निर्माण को लेकर एक बार फिर प्रयास तेज हो गए हैं। शुक्रवार को बतनेरा ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि अमरीश अवस्थी ने पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र प्रेरित कर हेतमापुर पुल निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने का अनुरोध किया है। पूर्व विधायक को दिए गए पत्र में कहा गया है कि घाघरा नदी पर प्रस्तावित यह पुल बाराबंकी, बहराइच और श्रावस्ती जनपदों के लाखों लोगों के लिए आवागमन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुल के निर्माण से तराई क्षेत्र के लोगों को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी। इस संबंध में पूर्व विधायक शरद अवस्थी ने मुख्यमंत्री

के अलावा उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव (वित्त) तथा राज्य सेतु निगम के प्रबंध निदेशक को भी पत्र की प्रतिलिपि भेजी है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इस जनहित के मुद्दे को लेकर वह शीघ्र ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत मुलाकात कर पुल निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराएंगे और परियोजना को स्वीकृति दिलाने का प्रयास करेंगे। उधर ग्राम प्रधान की ओर से भी मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग तथा राज्य सेतु निगम के मुख्य अभियंता को अलग-अलग पत्र भेजकर पुल निर्माण की मांग दोहराई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पुल वर्षों से क्षेत्र की प्रमुख मांग रहा है और इसके निर्माण से घाघरा नदी के दोनों किनारों पर बसे हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि विधायक शरद अवस्थी चुनाव में मामूली अंतर से हारने के बावजूद लगातार क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर सक्रिय बने हुए हैं। विशेष रूप से हेतमापुर पुल निर्माण के मुद्दे पर वह लगातार शासन-प्रशासन स्तर पर पैरवी कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि उनके प्रयासों से लंबे समय से लंबित यह परियोजना जल्द धरातल पर उतर सकेगी। गौरतलब है कि पुल निर्माण की मांग को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में एक जनहित याचिका भी दाखिल की जा चुकी है, जिस पर शीघ्र सुनवाई प्रस्तावित है।

अध्ययन भ्रमण से लौटे एनआरएलएम प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी ईशा प्रिया को सौंपी रिपोर्ट

बेगूसराय का हरित खाद मॉडल अंबेडकरनगर में बनेगा मिसाल

चर्चा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों की लागत कम करने की दिशा में अंबेडकरनगर में नई पहल की तैयारी शुरू हो गई है। बिहार के बेगूसराय जिले में संचालित हरित खाद उत्पादन एवं प्रबंधन मॉडल का अध्ययन कर लौटे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी ईशा प्रिया से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए। बैठक में जनपद में इस मॉडल को लागू करने की संभावनाओं और रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में एनआरएलएम के अधिकारी, कर्मचारी और स्वयं सहायता समूहों की प्रतिनिधि महिलाएं शामिल थीं। टीम ने अध्ययन भ्रमण के दौरान देखी गई व्यवस्थाओं, तकनीकी प्रक्रियाओं और सामुदायिक भागीदारी के मॉडल की जानकारी प्रशासन को दी। हरित खाद मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भूमिका बताई गई। महिलाएं उत्पादन, प्रबंधन, विपणन और वित्तीय संचालन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और सामुदायिक उद्यमिता को बढ़ावा मिला है।

खेती की लागत घटी, मिट्टी की सेहत में आया सुधार

बैठक में साझा किए गए अनुभवों के अनुसार हरित खाद के उपयोग से मिट्टी की जैविक गुणवत्ता बेहतर हुई है। खेतों की जल धारण क्षमता बढ़ी है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी आई है। किसानों ने उत्पादन लागत घटने और फसल की गुणवत्ता में सुधार होने की जानकारी भी साझा की। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि यह मॉडल कृषि को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हुआ है।

गोबर, बॉटम ऐश और जैविक अवयवों से तैयार हो रही गुणवत्ता वाली खाद

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बेगूसराय में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध गोबर, बॉटम ऐश और अन्य जैविक अवयवों का उपयोग कर हरित खाद तैयार की जा रही है। यह मॉडल किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुआ है और बड़े स्तर पर उपयोग में लाया जा रहा है। अध्ययन के दौरान टीम ने खाद निर्माण की पूरी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। कच्चे माल के संग्रहण से लेकर मिश्रण, परिपक्वता, गुणवत्ता परीक्षण, पैकेजिंग, भंडारण और विपणन तक की व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन किया गया। साथ ही इस कार्य से जुड़े स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के संचालन मॉडल को भी समझा गया।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बैठक में कहा कि प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए ऐसे नवाचार समय की आवश्यकता हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को अध्ययन भ्रमण से प्राप्त निष्कर्षों का संकलन कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

नंदबाबा दुग्ध मिशन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार

गिर, साहीवाल और हरियाना नस्ल की गायों पर 80 हजार रुपये तक अनुदान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में पशुपालन को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए नंदबाबा दुग्ध मिशन योजना शुरू की गई है। योजना के तहत 28 दुग्ध इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य स्वदेशी और उन्नत नस्ल की गायों के पालन को बढ़ावा देकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना है।

इस योजना के जरिए किसानों को खेती के साथ अतिरिक्त आय का साधन उपलब्ध कराने पर फोकस किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में संगठित पशुपालन को मजबूत करने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है।

योजना के तहत यदि लाभार्थी साहीवाल, हरियाना, थारपारकर या गिर नस्ल की दो गायें खरीदता है, या शासन द्वारा नामित विक्रेताओं से खरीद करता है, तो उसे अधिकतम 80 हजार रुपये तक का अनुदान मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य बेहतर दुग्ध उत्पादक नस्लों को बढ़ावा देना और दूध उत्पादन क्षमता को मजबूत करना है, जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके।

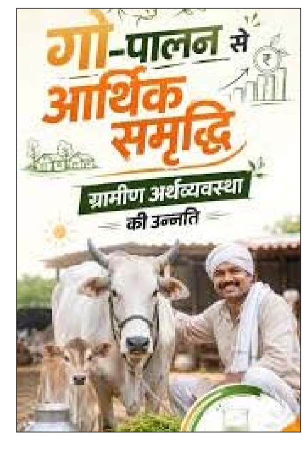

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के पास पशुओं के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्थान होना जरूरी है। साथ ही उसके पास पहले से एक से अधिक देशी नस्ल के गोवंश नहीं होने चाहिए।

लाभार्थी को कम से कम तीन वर्ष तक गोपालन करने का शपथपत्र देना होगा, ताकि योजना का लाभ स्थायी और सही दिशा में उपयोग हो सके। अनुदान के लिए आवेदन के साथ गाय खरीद की रसीद, तीन वर्ष का बीमा प्रमाणपत्र, पशुशाला निर्माण का विवरण और चारा मशीन खरीद से जुड़े दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं। सभी दस्तावेज ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा। जांच के बाद ही अनुदान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

फास्ट न्यूज

बैंक ऑफ बड़ौदा की सीएसआर पहल

अंबेडकरनगर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत किसान इंटर कॉलेज, पकड़ी भोजपुर को सीलिंग फैन उपलब्ध कराए। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययन-रत छात्रों के लिए बेहतर और सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बैंक अधिकारियों ने फैन वितरण किया।

निजी गौशाला में आग से मची अफरा-तफरी, चार गोवंश झुलसे

अंबेडकरनगर। अकबरपुर थाना क्षेत्र के शहजादपुर पकड़ी गांव में गुरुवार देर शाम एक निजी गौशाला में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से चार गोवंश झुलस गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार शहजादपुर पकड़ी निवासी घनश्याम राजभर की निजी गौशाला में रात करीब 9:45 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने गौशाला को अपनी चपेट में ले लिया।

14 जून की प्रवक्ता परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क

अंबेडकरनगर। आगामी 14 जून को आयोजित होने वाली प्रवक्ता पुरुष एवं महिला राजकीय इंटर कॉलेज प्रारंभिक परीक्षा-2025 को शांतिपूर्ण और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को लोहिया भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों और केंद्र व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एक्स-रे मशीन खराब मिलने पर सुधार के निर्देश

ट्रामा सेंटर में अव्यवस्था पर नाराजगी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से शुक्रवार को अकबरपुर एसडीएम प्रतीक्षा सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां सामने आईं, जिनमें सबसे प्रमुख एक्स-रे मशीन का खराब होना रहा। इससे मरीजों को जांच के लिए मुख्य अस्पताल भवन तक जाना पड़ रहा था।

निरीक्षण के समय ट्रामा सेंटर में मरीजों की भीड़ भी मौजूद थी। गंभीर मरीजों और घायलों को सुविधाएं समय पर न मिलने की स्थिति भी सामने आई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ट्रामा सेंटर में लगी एक्स-रे मशीन लंबे समय से खराब पड़ी है। इस कारण मरीजों को जांच के लिए स्ट्रेचर और व्हीलचेयर के सहारे जिला

अस्पताल के मुख्य भवन तक जाना पड़ता है। एसडीएम ने मरीजों से बातचीत भी की, जिसमें उन्होंने व्यवस्थाओं को लेकर असंतोष जताया। मरीजों ने बताया कि जांच और भर्ती प्रक्रिया में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एसडीएम प्रतीक्षा सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) को निर्देश दिया कि खराब एक्स-रे मशीन को तत्काल ठीक कराया जाए। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को किसी भी स्थिति में अतिरिक्त परेशानी न हो, इसके लिए व्यवस्था में सुधार जरूरी है।

भीटी थाने की कमान बदली कृष्णबली सिंह नए थानाध्यक्ष

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की सख्त कार्यशैली से तेज हुआ प्रशासनिक बदलाव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल के तहत भीटी थाने को नया थानाध्यक्ष मिल गया है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कृष्णबली सिंह को भीटी थाने की जिम्मेदारी सौंपी है। वह इससे पहले अकबरपुर कोतवाली में अतिरिक्त निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे।

वहीं इंस्पेक्टर श्रीनिवास पांडेय को गैर जनपद स्थानांतरण प्रक्रिया के तहत पुलिस लाइन से संबद्ध किया गया है। आदेश के बाद विभागीय स्तर पर नई तैनाती को लागू कर दिया गया।

जिले में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार थानों की संरचना और जिम्मेदारियों में बदलाव कर

रहा है। इसी क्रम में भीटी थाने में नई नियुक्ति की गई है।

अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के फेरबदल का उद्देश्य थानों को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाना है, ताकि जनता से जुड़े मामलों का निस्तारण तेजी से हो सके। भीटी थाने में नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति के बाद क्षेत्रीय पुलिसिंग व्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद है। विभागीय स्तर पर इसे नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया गया है।

एसपी प्राची सिंह के नेतृत्व में पुलिस व्यवस्था में दिखा बदलाव

जिले में पुलिसिंग को लेकर पिछले समय में कई स्तर पर सख्ती और सक्रियता देखी गई है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था को लेकर निगरानी व्यवस्था और फील्ड वर्क पर विशेष फोकस किया गया है। सूत्रों के अनुसार, उनके कार्यकाल में गश्त व्यवस्था, शिकायत निस्तारण और थाना स्तर पर अनुशासन को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है। इससे पुलिस व्यवस्था में तेजी और जवाबदेही बढ़ी है।

एमएलसी निधि की सड़क पर विवाद, चौड़ीकरण को लेकर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर तहसील के रग्घुपुर गांव में एमएलसी निधि से कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सड़क के चौड़ीकरण को लेकर ग्रामीणों और किसानों ने आपत्ति जताई है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों से मौजूद रास्ते की चौड़ाई बढ़ाने के दौरान उनकी कृषि भूमि प्रभावित की जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में पहले से मौजूद रास्ता करीब 8 फीट 3 इंच चौड़ा था, जिसे अब लगभग 16 फीट तक चौड़ा किया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान जेसीबी मशीनों से रास्ते के दोनों ओर खुदाई की गई, जिससे खेतों को नुकसान पहुंचा है। किसानों का यह भी कहना है कि सिंचाई के लिए बनी नालियां भी प्रभावित हुई हैं।

गांव निवासी सुनील कुमार यादव, राज दीपक समेत कई ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि चौड़ीकरण से पहले न तो सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गई और न ही प्रभावित लोगों की सहमति ली गई।

रग्घुपुर में सड़क निर्माण कार्य का विरोध, किसानों ने भूमि प्रभावित होने का लगाया आरोप

ग्रामीणों का दावा है कि यदि सड़क की चौड़ाई बढ़ानी थी तो पहले राजस्व विभाग से पैमाइश कराई जानी चाहिए थी। साथ ही ग्राम सभा स्तर पर प्रस्ताव और भूमि संबंधी स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए थी। ग्रामीणों ने यह भी जानना चाहा है कि सड़क चौड़ीकरण किस आदेश और मानक के तहत किया जा रहा है।

बस स्टॉप से पटेल नगर और टांडा रोड तक चला सघन अभियान, बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री जब्त

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रभावी रोक लगाने के लिए नगर पालिका परिषद अकबर-पुर ने शुक्रवार को शहर में व्यापक जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान बस स्टॉप से लेकर पटेल नगर और टांडा रोड तक दुकानों, ठेलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई। इस दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलिथीन और थर्माकोल सामग्री बरामद कर जब्त की गई।

शासन के निर्देशानुसार 21 जून 2026 तक चलाए जा रहे 'व्यापक प्लास्टिक उन्मूलन महाअभियान' के तहत यह कार्रवाई की गई। अभियान का नेतृत्व स्वच्छ भारत मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हृदयानंद यादव ने किया। जागरूकता अभियान के तहत नागरिकों को कपड़े से बने थैले वितरित किए गए। अधिकारियों ने लोगों से खरीदारी के दौरान कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करने की अपील की। अभियान का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना भी रहा।

21 जून तक जारी रहेगा विशेष अभियान

नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों के अनुसार, प्रतिबंधित पॉलिथीन और थर्माकोल का उपयोग करने वालों के खिलाफ आगामी दिनों में भी नियमित जांच और कार्रवाई की जाएगी।

"अभियान में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से लक्ष्येंद्र सिंह और आकाश गिरी मौजूद रहे। वहीं नगर पालिका परिषद अकबरपुर की स्वच्छ भारत मिशन टीम के सदस्य जसवंत सिंह यादव, आशीष शुक्ला, सम्राट, शुभम और दीपक शुक्ला ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

नियमों के उल्लंघन पर 12 दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई

जांच के दौरान प्रतिबंधित पॉलिथीन और थर्माकोल के उपयोग के मामले सामने आने पर 12 दुकानदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई। नगर पालिका की टीम ने संबंधित दुकानदारों पर जुर्माना लगाया और भविष्य में नियमों का पालन करने की चेतावनी दी। अभियान के दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों और दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों की जानकारी भी दी। साथ ही उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए वैकल्पिक साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

बिजली संकट से नाराज ग्रामीणों का प्रदर्शन, कार्यालय का किया घेराव

बनकटा गांव में 10 दिन से आपूर्ति ठप, जर्जर तार और ओवरलोड ट्रांसफार्मर बनी समस्या

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बेवाना थाना क्षेत्र के बनकटा गांव में बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गुरुवार को दो दर्जन से अधिक महिला-पुरुष ग्रामीणों ने अकबरपुर स्थित अधिशासी अभियंता कार्यालय का घेराव किया और जमकर विरोध जताया। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले एक महीने से गांव में मात्र एक से दो घंटे बिजली मिल रही थी। वहीं पिछले करीब 10 दिनों से आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में बिजली के तार काफी पुराने और जर्जर हो चुके हैं, जो अक्सर टूट जाते हैं। इसके अलावा 16 केवीए का ट्रांसफार्मर ओवरलोड होने के कारण बार-बार खराब हो जाता है, जिससे आपूर्ति बाधित रहती है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। ग्राम प्रधान चुन्नी लाल गुप्ता ने बताया कि लगभग 50 घरों वाले इस पुरवे में 32 बिजली कनेक्शन हैं। करीब 10 दिन पहले आए तूफान में आठ बिजली के खंभे टूट गए थे। मरम्मत कार्य पूरा होने के बावजूद बिजली आपूर्ति अब तक बहाल नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार विभागीय स्तर पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार बिजली संकट से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने विभाग से जल्द आपूर्ति बहाल करने और जर्जर लाइन व ट्रांसफार्मर की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर बड़ी कार्रवाई

पुलिस-प्रशासन और जन विकास संस्थान का संयुक्त अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जन विकास संस्थान ने पुलिस और प्रशासन के सहयोग से जिले में विशेष अभियान चलाकर पांच बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया। यह कार्रवाई जून माह में चलाए जा रहे बाल श्रम विरोधी 'एक्शन मंथ' के तहत की गई।

संस्थान की ओर से बाल मजदूरी की शिकायत वाले क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की पड़ताल की गई, जहां से पांच बच्चों को मुक्त कराया गया। बच्चों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच बताई गई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मुक्त कराए गए बच्चे पिछले कई महीनों से अलग-अलग प्रतिष्ठानों में कार्यरत थे। जांच के दौरान बच्चों से

कराए जा रहे कार्यों और उनकी कार्य परिस्थितियों की भी जानकारी जुटाई गई। संबंधित मामलों में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार बच्चों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के साथ पुनर्वास और अन्य निर्धारित सुविधाएं दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जन विकास संस्थान ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनजाग-रूकता अभियान भी चलाया। इसमें विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सामुदायिक नेताओं और ग्रामीणों ने भाग लिया।

व्यवस्था : चार महिला पीआरवी देंगी त्वरित सहायता, पुलिस प्रतिक्रिया तंत्र होगा और मजबूत

महिलाओं की सुरक्षा को मिली नई मजबूती

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए अंबेडक-रनगर पुलिस ने महिला पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) की संख्या बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में यह व्यवस्था लागू की गई है। महिला पीआरवी की संख्या बढ़ने से जिले में आपातकालीन स्थितियों में पुलिस सहायता पहले से अधिक तेज और सुलभ हो सकेगी।

अब तक जिले में तीन महिला पीआरवी संचालित थीं। इनमें सर्किल टांडा की पीआरवी 5330, सर्किल नगर की पीआरवी 5337 और सर्किल जलालपुर की पीआरवी 5340 शामिल थीं। नई व्यवस्था के तहत जिले में महिला पीआरवी की संख्या बढ़ाकर चार कर दी गई है।

महिला पीआरवी की अतिरिक्त तैनाती से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। पुलिस का मानना है कि इससे महिलाओं में सुरक्षा और विश्वास की भावना और मजबूत होगी। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। महिला पीआरवी की संख्या बढ़ाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी आपात स्थिति में पीड़ित महिला को त्वरित और प्रभावी पुलिस सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह व्यवस्था विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

"पुलिस विभाग लगातार महिला सुरक्षा को लेकर विभिन्न स्तरों पर कदम उठा रहा है। महिला हेल्पलाइन, मिशन शक्ति अभियान और महिला बीट पुलिसिंग के साथ महिला पीआरवी भी सुरक्षा तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

महिलाओं और बालिकाओं को मिलेगी त्वरित पुलिस सहायता

महिला पीआरवी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है। घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, छेड़छाड़, सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षा या अन्य शिकायतों पर महिला पीआरवी की टीम मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करती है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला पीआरवी की संख्या बढ़ने से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच और प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार होगा। इससे सहायता मांगने वाली महिलाओं तक कम समय में पुलिस पहुंच सकेगी।

जिला कारागार में औचक निरीक्षण, सुरक्षा और साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा

जिला न्यायाधीश, डीएम और एसपी ने जेल परिसर का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला कारागार अंबेडकरनगर का शुक्रवार को उच्च अधिकारियों ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जिला न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह शामिल रहीं। टीम ने जेल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और बंदियों से जुड़ी व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण किया और व्यवस्थाओं की स्थिति देखी। अचानक हुए निरीक्षण से जेल प्रशासन में भी सतर्कता देखी गई। अधिकारियों ने जेल के भीतर किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री के प्रवेश को पूरी तरह रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा जांच प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया, ताकि जेल के अंदर अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था बनी

रहे। निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि कैदियों तक केवल निर्धारित और वैध सामग्री ही पहुंचे।

जेल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिए कि परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखा जाए।

इसके साथ ही बंदियों के लिए मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल प्रशासन को सभी व्यवस्थाओं को मानकों के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

फिर भड़का युद्ध

अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध छिड़ने के कारण न केवल पश्चिम एशिया का संकट और गहरा गया है, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था के लिए भी समस्याएं बढ़ गई हैं। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने जिस तरह होर्मुज समुद्री जल मार्ग को फिर से बंद करने का फैसला किया, उसके बाद अमेरिका और उसके बीच तनाव तो बढ़ेगा ही, खाड़ी के देशों से होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति के भी बिल्कुल ठप होने का अंदेशा है। इसके चलते पहले से ही चढ़े तेल एवं गैस के मूल्य और बढ़ सकते हैं। इससे भारत समेत अन्य देशों और विशेष रूप से एशियाई देशों का संकट और बढ़ेगा। इससे खराब बात और कोई नहीं कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की जो थोड़ी-बहुत गुंजाइश बन रही थी, वह भी समाप्त होती दिख रही है। इसके लिए दोनों ही पक्षों का अड़ियल रवैया जिम्मेदार है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह चाहते हैं कि ईरान उनके मन मुताबिक समझौता करे, वहीं ईरानी नेतृत्व न तो परमाणु हथियार बनाने के अपने इरादे का परित्याग करने को तैयार है और न ही होर्मुज पर अपना दावा छोड़ने के लिए। वह इजरायल के लिए खतरा बने हिजबुल्ला को समर्थन देने से पीछे हटने के लिए भी तैयार नहीं। वह यह तो चाहता है कि इजरायल लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करने से बाज आए, लेकिन वह इस संगठन को इजरायल को निशाना बनाने से रोकने के लिए तैयार नहीं। समस्या केवल यह नहीं कि ईरान होर्मुज पर अवैध कब्जा करना चाहता है, बल्कि यह भी है कि अमेरिकी सेना उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी के चलते इस समुद्री जल मार्ग से इस बहाने जहाजों को नहीं निकलने दे रहा है कि वे या तो ईरान जा रहे थे या फिर वहां से आ रहे थे। इसी को आधार पर बनाकर उसने पिछले चार दिनों में तीन जहाजों पर हमले किए। इनमें से दो पलाऊ और एक गिनी-बिसाऊ का था, लेकिन इन तीनों में भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से एक जहाज पर अमेरिकी हमला घातक साबित हुआ। इस हमले में तीन भारतीय नाविक मारे गए। साफ है कि अमेरिकी सेना निहायत ही गैर जिम्मेदारी का परिचय दे रही है। वह जहाजों को रोकने, जब्त करने के बजाय जिस तरह उन्हें ध्वस्त करने का काम कर रही है, वह अस्वीकार्य और अक्षम्य है।

यह सर्वथा उचित है कि भारत ने अपने तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने की घटना पर अमेरिकी राजनयिक को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। उसे विश्व के अन्य देशों के साथ मिलकर अमेरिका और ईरान पर इसके लिए दबाव बनाना होगा कि वे कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने से बाज आएं। भारत को ऐसा इसलिए करना होगा, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में 18 हजार से अधिक भारतीय नाविक देसी-विदेशी जहाजों पर कार्यरत हैं।

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

"सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया।

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

ललित गर्ग

विद्यार्थीयों में अच्छी शिक्षा व संस्कारों का विकास हों

मन की खुराक विचार है। जैसा विचार ,वैसा ही आचार होता हैं । कैसा है व्यक्ति? वह उसके विचारों की अभिव्यक्ति बताती हैं । वह जहाँ विचारों की मलिनता है वहां नरक हैं । वह जहां विचारों की ऊंचाई है वही स्वर्ग है । साफ सुथरे विचार से ही आचार की स्वस्थता बढ़ती हैं । विकृत विचारों से व्यवस्था अतिक्रमित होती हैं । व्यक्ति को सुखी और दुःखी परिस्थिति नहीं बनाती हैं । व्यक्ति अच्छे व बुरे विचार से ही सुखी और दुःखी बनता हैं । हम जैसा सोचते हैं वैसा ही हमारा आचरण हो जाता हैं । हमारी वृत्तियां ,नीतियां व व्यवहार ही हमारे विचारों के दर्पण हैं । अतः शुभ सोचें पवित्र बनें,निर्मलता विकसायें ।संकीर्ण , मलिन विचारों को प्रश्रय न दे व न आग्रह पनपाएं। जैन आगम उतरा-ध्ययन में शिक्षा प्राप्ति में पांच प्रकार की बाधाएं बताईं गईं हैं । जिनके कारण व्यक्ति शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता हैं । इन पांच कारणों में पहला कारण अहंकार बताया गया हैं । अहंकार के कारण शिक्षा प्राप्ति में बाधा हो सकती हैं। यदि विद्यार्थी के मन में ज्ञान के प्रति सम्मान और विद्या के प्रति विनय हैं तो वह शिक्षा के क्षेत्र में अधिक आगे बढ़ सकेगा । इसके साथ ही ज्ञानदाता के प्रति भी सम्मान का भाव होना चाहिए । विद्यार्थी को कुछ ज्ञान प्राप्त हो जाए तो उस ज्ञान का भी घमंड नहीं करना चाहिए । उसका अच्छा उपयोग करना चाहिए । ज्ञान वह (investment) विनियोग हैं जिसके Dividend का जीवन पर्यन्त योग मिलता रहता है। ज्ञान का स्रोत केवल साहित्य पठन ही नहीं है, गुरुजनों की शिक्षा व विद्वतजनों की संगत से भी ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। दूसरी बाधा क्रोध हैं । क्रोध के कारण मस्तिष्क में जो प्रतिक्रिया रहती हैं तो ज्ञान प्राप्त करने में कठिनाईं पैदा हो जाती हैं । अतः विद्यार्थी को अधिक क्रोध से बचते हुए अपने स्वभाव को शांत रखने का प्रयास करना चाहिए । तिसरी बाधा प्रमाद हैं। विद्यार्थी पढ़ाईं को गौण कर अन्य चीजों जैसे खाने में , मौज - मस्ती , सिनेमा , नींद आदि में रस लेने लग जाए तो भला वह कितना ज्ञान ग्रहण कर पाएगा । इसलिए विद्यार्थी को प्रमाद से बचना चाहिए ।

> प्रदीप छाजेड़

यह संस्थागत...

दुर्गेश्वर राय

शैक्षिक पिरामिड की चुनौतियाँ और नीति आयोग की नई रणनीतिक रूपरेखा

जब देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब शिक्षा की कसौटी केवल अक्षरों की सामान्य पहचान या कक्षाओं में भौतिक उपस्थिति तक सीमित नहीं रह सकती। आधुनिक युग में शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मानवीय क्षमताओं का सर्वांगीण संवर्धन करना है। नीति आयोग द्वारा जारी की गई व्यापक नीति रिपोर्ट, भारत में स्कूली शिक्षा प्रणालीः गुणवत्ता संवर्धन के लिए सामयिक विश्लेषण और नीतिगत रूपरेखा, इसी प्रगतिशील दृष्टिकोण को एक व्यवस्थित और व्यावहारिक धरातल प्रदान करती है। यह दस्तावेज़ वर्ष 2014-15 से 2024-25 तक के एक दशक लंबे आंकड़ों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए भारतीय स्कूली शिक्षा के क्रमिक विकास, वर्तमान संरचनात्मक चुनौतियों और भविष्य के नीतिगत रोडमैप को पूरी तरह स्पष्ट करता है।

स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने एक न्यायसंगत और सुलभ शिक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। वर्ष 1952 के मुदालियर आयोग और 1964 के कोठारी आयोग की अनुशंसाओं ने आधुनिक शिक्षा के बुनियादी ढाँचे की मजबूत नींव रखी थी। इसके बाद 1968 और 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों ने देश भर में शिक्षा के सार्वभौमीकरण पर विशेष बल दिया।

वर्ष 1995 में शुरू की गई मिड-डे मील योजना ने स्कूलों में बच्चों के नामांकन और उनके पोषण स्तर को सुधारने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे बाद में सर्व शिक्षा अभियान और शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे युगांतकारी कदमों से और अधिक सुदृढ़ किया गया। इसी ऐतिहासिक शृंखला को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने पुरानी व्यवस्था के स्थान पर एक नए शैक्षणिक ढाँचे को प्रतिपादित किया। नीति आयोग ने पिछले एक दशक की इसी यात्रा का मूल्यांकन करने के लिए यूडायस प्लस 2024-25 के स्कूल से सम्बंधित आंकड़े, परख 2024 के परीक्षा स्तर, एन०ए०एस० के 2017 और 2021 के बच्चों के स्कोर और एएसईआर 2024 के बच्चों के पढ़ने की क्षमता आधारित आंकड़ों का उपयोग किया है। भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली आज लगभग चौदह लाख से अधिक स्कूलों, चौबीस करोड़ से अधिक विद्यार्थियों और एक करोड़ से अधिक शिक्षकों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा व्यवस्था बन चुकी है। पिछले एक दशक में स्कूलों में बुनियादी ढाँचे जैसे बिजली, शौचालय और पेयजल की पहुँच के मामले में अभूतपूर्व प्रगति देखी गई है। इसी अवधि में डिजिटल शिक्षण व्यवस्था का भी विस्तार हुआ है और कंप्यूटर, इंटरनेट तथा स्मार्ट कक्षाओं तक बच्चों की पहुँच बेहतर हुई है। इसके साथ ही, सामाजिक समावेशन के स्तर पर लड़कियों तथा वंचित वर्गों के छात्रों के नामांकन में उत्साहजनक सुधार दर्ज किया गया है। महामारी के बाद के दौर में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान में सुधार के संकेत भी मिले हैं, जिसे विभिन्न राष्ट्रीय मिशनों का लगातार समर्थन प्राप्त हो रहा है। इन तमाम सकारात्मक बदलावों के बावजूद, इस तंत्र का सबसे बड़ा ढाँचागत संकट इसका पिरामिडनुमा स्वरूप है जो उच्च स्तर पर जाते ही संकुचित हो जाता है। प्राथमिक स्तर पर स्कूलों की संख्या सबसे अधिक है और वहाँ नामांकन दर भी काफी मजबूत दिखाई देती है, लेकिन जैसे-जैसे छात्र उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं की ओर बढ़ते हैं, सकल नामांकन अनुपात तेजी से कम होता जाता है। यह डेटा साफ तौर पर दर्शाता है कि उच्च कक्षाओं तक पहुँचते-पहुँचते बहुत से बच्चे अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते हैं। देश में बहुत कम स्कूल ऐसे हैं जो प्राथमिक से लेकर बारहवीं कक्षा तक की निरंतर शिक्षा एक ही छत के नीचे प्रदान करते हैं। यह संस्थागत विखंडन छात्रों को बार-बार स्कूल बदलने के लिए मजबूर करता है, जिससे स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इसके अतिरिक्त, देश में बड़ी संख्या में एकल-शिक्षक स्कूल और शून्य नामांकन वाले स्कूल भी मौजूद हैं, जो प्रशासनिक और वित्तीय अक्षमता को उजागर करते हैं। नीति आयोग ने विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद शिक्षा प्रणाली की कई प्रमुख प्रणालीगत और शैक्षणिक चुनौतियों की पहचान की है। कक्षाओं में आज भी वास्तविक वैचारिक समझ विकसित करने के बजाय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने और रटने की पद्धति पर अत्यधिक जोर दिया जाता है, जिससे बच्चों के वास्तविक सीखने के स्तर में अंतर आ जाता है।

'ऑपरेशन ममता' और 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' बने लखीमपुर के थारू अंचल में सुरक्षित मातृत्व एवं जन-स्वास्थ्य के मजबूत आधार

चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश इस समय मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सशक्त मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से एक बड़े और ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 'आरोग्यं परमं भाग्यं' अर्थात् स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा भाग्य है, के मूल मंत्र को साकार करते हुए राज्य के पुराने उप-स्वास्थ्य केंद्रों (ैभ्ब्े) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का पूरी तरह से कायाकल्प कर उन्हें 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में उच्चीकृत किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य भर में फैले आयुष्मान आरोग्य मंदिर पूरी सक्रियता से जनता की सेवा में जुटे हैं, जो विशाल आबादी वाले इस राज्य में 'सबके लिए स्वास्थ्य' के सपने को सच कर रहे हैं। इस अभूतपूर्व बदलाव का सबसे जीवंत और अनुकरणीय उदाहरण लखीमपुर खीरी जिले में देखने को मिला है। नेपाल सीमा से सटे दुधवा के जंगलों और दुर्गम रास्तों के बीच बसे थारू जनजाति बाहुल्य गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना कभी एक बड़ी चुनौती था। घने जंगलों और बिजली की कमी के कारण यहाँ के स्वास्थ्य केंद्र लगभग निष्क्रिय थे, जिससे रात के समय प्रसव पीड़ा से जूझती महिलाओं के लिए अस्पताल पहुंचना बेहद कठिन और जोखिम भरा होता था। इस संकट को दूर करने के लिए जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से वर्ष 2020 में 'ऑपरेशन ममता' की शुरुआत की गई। इसके अंतर्गत घुसकिया, चन्दनचौकी, निझौटा, छेदिया पश्चिम, बनकटी और गौरीफण्टा के छह स्वास्थ्य उपकेंद्रों का शानदार जीर्णोद्धार किया गया। इन केंद्रों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित करने के साथ ही सौर ऊर्जा संयंत्रों से जोड़ा गया, जिससे यहाँ 24 घंटे सातों दिन (24ग7) निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं संचालित हो रही हैं।

पूर्व के वर्षों में जहां इन दुर्गम क्षेत्रों में रात्रिकालीन प्रसव की कोई व्यवस्था नहीं थी, वहीं अब इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में चौबीसों घंटे तैनात, प्रशिक्षित एएनएम की कुशल देखरेख में सुरक्षित संस्थागत प्रसव (प्देजपजनज-पवदंस क्मसपअमतल) कराए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में आए इस बुनियादी सुधार का सकारात्मक असर धरातल और सरकारी आंकड़ों दोनों पर स्पष्ट रूप से प्रमाणित हो रहा है। थारू क्षेत्र के इन छह केंद्रों पर सुरक्षित संस्थागत प्रसव का ग्राफ वर्ष-दर-वर्ष लगातार मजबूत हुआ है; जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 568, वर्ष 2023-24 में 580, वर्ष 2024-25 में 570 और वित्तीय वर्ष 2025-26 में 571 माताओं का सुरक्षित प्रसव संपन्न कराया गया। यह उल्लेखनीय प्रगति केवल आंकड़े नहीं, बल्कि जंगलों के बीच रहने वाले हजारों पारंपरिक थारू परिवारों के भीतर पनपे नव-विश्वास, शारीरिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान की एक गौरवशाली शुरुआत है। यहाँ तक कि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के अत्यंत कठिन दौर में भी इन उपकेंद्रों के स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सुदूर झोपड़ियों तक कोविड मेडिसिन किट पहुंचाने, संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने और स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार देने में अनुकरणीय भूमिका निभाई थी। लखीमपुर खीरी की तरह ही उत्तर प्रदेश सरकार पूरे राज्य के ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के नेटवर्क को युद्ध स्तर पर विस्तारित कर रही है। 15वें वित्त आयोग के वित्तीय सहयोग से इसके बुनियादी ढांचे को हर जनपद और ब्लॉक स्तर पर अत्यंत सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

जरा हटके

ड्रिप सिंचाई प्रणाली ...

प्रदीप कुमार

प्रदेश में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति को अपनाकर किसान हो रहे समृद्ध

उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां बड़ी आबादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। बदलते जलवायु परिदृश्य, घटते भूजल स्तर, अनियमित वर्षा तथा बढ़ती सिंचाई लागत के बीच किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की रही है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीकों से जोड़ने का व्यापक अभियान चलाया है। मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली को बढ़ावा देकर खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति आज केवल तकनीक नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि का माध्यम बन चुकी है। इससे पानी की बचत, उत्पादन में वृद्धि, श्रम लागत में कमी और फसल की गुणवत्ता में सुधार जैसे अनेक लाभ किसानों को मिल रहे हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को अनुदान देकर इन आधुनिक प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली में पाइप और नोजल के माध्यम से पानी सीधे पौधों की जड़ों तक बूंद-बूंद पहुंचाया जाता है। इस तकनीक से फसल को आवश्यक मात्रा में ही पानी मिलता है, जिससे पानी की बर्बादी नहीं होती। यह प्रणाली विशेष रूप से फल, सब्जी, मसाला तथा बागवानी फसलों के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। ड्रिप सिंचाई के माध्यम से खेत में नमी का संतुलन बना रहता है तथा पौधों की वृद्धि बेहतर होती है। इसमें उर्वरकों का प्रयोग भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, जिसे फर्टिगेशन कहा जाता है। इससे उर्वरक की खपत कम होती है और उत्पादन बढ़ता है। स्प्रिंकलर सिंचाई में पाइपों और स्प्रिंकलर उपकरणों की सहायता से खेत में फुहार के रूप में पानी का छिड़काव किया जाता है। यह प्रणाली वर्षा जैसी सिंचाई का अनुभव प्रदान करती है। असमतल भूमि, रेतीली मिट्टी और कम पानी वाले क्षेत्रों में यह तकनीक अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। स्प्रिंकलर प्रणाली से गेहूं, दलहन, तिलहन, चारा तथा सब्जी फसलों की सिंचाई प्रभावी ढंग से की जाती है। इससे खेत में समान रूप से पानी पहुंचता है और जल संरक्षण भी होता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए "प्रति बूंद अधिक फसल" की अवधारणा को तेजी से आगे बढ़ाया है। ड्रिप एवं स्प्रिंकलर तकनीक से पारंपरिक सिंचाई की तुलना में 40 से 70 प्रतिशत तक पानी की बचत संभव हो रही है। इससे न केवल किसानों की सिंचाई लागत कम हो रही है, बल्कि भूजल संरक्षण में भी मदद मिल रही है। प्रदेश के बुंदेलखंड, विंध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई ऐसे क्षेत्र, जहां जल संकट की समस्या गंभीर रही है, वहां इन तकनीकों ने किसानों के लिए नई उम्मीद पैदा की है। कम पानी में अधिक उत्पादन मिलने से किसान आधुनिक खेती की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (प्रति बूंद अधिक फसल) के अंतर्गत ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली पर किसानों को अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। लघु एवं सीमांत तथा महिला किसानों को प्राथमिकता देते हुए सरकार उन्हें आधुनिक उपकरण सहित कुल लागत पर 75 से 90 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध करा रही है। अन्य सामान्य किसानों को 65 से 80 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाता है।

उद्यान विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण तथा उपकरणों की स्थापना में सहायता दी जा रही है। कई जिलों में किसानों के खेतों पर प्रदर्शन प्लॉट तैयार किए गए हैं, ताकि अन्य किसान भी इन तकनीकों के लाभ को प्रत्यक्ष रूप से देख सकें। ऑनलाइन आवेदन व्यवस्था और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से किसानों तक योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक किसान माइक्रो इरिगेशन तकनीकों को अपनाकर खेती को लाभकारी बनाएं। प्रदेश में इस योजना के अंतर्गत लाखों किसान लाभान्वित हुए हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का सबसे अधिक लाभ बागवानी क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। आम, अमरूद, केला, पपीता, टमाटर, मिर्च, प्याज, आलू, हल्दी और अन्य सब्जी एवं मसाला फसलों में किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है। कई जिलों में किसानों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई अपनाने के बाद पानी की खपत कम हुई है तथा उत्पादन में 20 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। फसल की गुणवत्ता सुधरने से बाजार में बेहतर मूल्य भी प्राप्त हो रहा है। इससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पारंपरिक सिंचाई पद्धति में खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए अधिक श्रम और समय की आवश्यकता होती थी। वहीं ड्रिप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली में कम समय और कम श्रम में सिंचाई का कार्य पूरा हो जाता है। महिला किसानों के लिए यह बहुत उपयोगी है। इन तकनीकों से डीजल एवं बिजली की खपत भी कम होती है। खेत में खरपतवार कम उगते हैं, जिससे निराई-गुड़ाई की लागत घटती है। उर्वरकों का संतुलित उपयोग होने से खेती अधिक वैज्ञानिक और आर्थिक रूप से लाभकारी बन रही है।

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

टॉयलेट में टिशू पेपर पर मिला मैसेज, 5 घंटे बाद उड़ान भरी

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट को शुक्रवार को उड़ान भरने से पहले चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, लखनऊ पर इमरजेंसी कॉल के बाद होल्ड कर दिया गया। फ्लाइट टेकअप करने वाली ही थी, तभी टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचना दी और फ्लाइट इमरजेंसी में रोक दी गई।

ATC ने एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया, फिर लैंडिंग की अनुमति दी। इसके बाद सुबह 11:15 बजे फ्लाइट (6E-2111) को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। सभी 184 यात्रियों और उनके सामान को नीचे उतारा गया। करीब 3 घंटे तक चेकिंग चली। बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियों के जवानों ने फ्लाइट की जांच की। डॉग स्क्वायड ने यात्रियों के एक-एक सामान की चेकिंग की। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सभी यात्रियों को फ्लाइट में बैठा दिया गया। फ्लाइट दिल्ली के लिए शाम 4:28 बजे रवाना हो गया।

इसी फ्लाइट से पूर्व आईपीएस बीपी अशोक समेत कई लोगों को दिल्ली जाना था। यह फ्लाइट सुबह 9:41 बजे अहमदाबाद से आई थी। सुबह 11:00 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। इंडिगो एयरलाइन के प्रवक्ता का कहना है कि फ्लाइट के उड़ान भरने से पहले ही सिक्योरिटी थ्रेट मिली। नियम के अनुसार संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई और सुरक्षा जांच कराई गई।

> इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा-लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2111 में उड़ान भरने से ठीक पहले सुरक्षा संबंधी खतरे की सूचना मिली। निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत जानकारी दी गई और सुरक्षा में सहयोग किया गया।

एविएशन विभाग की भेजी जाएगी रिपोर्ट

इस मामले को लेकर सीआईएसएफ और ATC की तरफ से एक रिपोर्ट एवियशन डिपार्मेंट को भेजी जाएगी। अगर जांच में टिशू पर बम लिखने वाले की जानकारी होती है तब फिर उसको ट्रेस करके मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

19 अक्टूबर 2024: स्टार एयर की फ्लाइट को धमकी

इससे पहले 19 अक्टूबर 2024 को लखनऊ से अजमेर के किशनगढ़ जा रही स्टार एयर की फ्लाइट में बम की धमकी मिली थी। धमकी के बाद विमान को तुरंत रोक दिया गया। कार्गो समेत चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी नहीं मिला था।

एयरपोर्ट रनवे पर सुरक्षा जवान स्नीफर डॉग लेकर पहुंचे। वहां एक-एक बैग को चेक किया गया।

खराब मौसम के चलते दिल्ली की तीन उड़ानें भी लखनऊ डायवर्ट

इससे पहले दिल्ली में खराब मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण तीन उड़ानों को भी लखनऊ एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया।

6E1054 बैंकॉक-दिल्ली उड़ान रात 12:18 बजे लखनऊ पहुंची और सुबह 7:56 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई।

6E6317 गुवाहाटी-दिल्ली उड़ान रात 12:26 बजे लखनऊ पहुंची और 3:21 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई।

6E6573 नागपुर-दिल्ली उड़ान रात 12:42 बजे लखनऊ पहुंची और 3:12 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई।

एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, लखनऊ में ठहराव के दौरान यात्रियों और चालक दल को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

कैबिनेट मंत्री बनने पर मनोज पांडेय का लखनऊ में सम्मान

राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा ने गदा-चांदी का मुकुट भेंट किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर डॉ. मनोज कुमार पांडेय के सम्मान में शुक्रवार को चारबाग स्थित रविंद्रालय सभागार में भव्य ₹आशीर्वाद समारोह₹ का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संत-महात्माओं, आचार्यों, समाज के गणमान्य लोगों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

समारोह के दौरान ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने मनोज पांडेय का पारंपरिक तरीके से स्वागत और सम्मान किया। उन्हें प्रतीक स्वरूप गदा भेंट की गई तथा चांदी का मुकुट पहनाकर आशीर्वाद प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बड़ी संख्या में बटुकों का भी मंत्री ने सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में मनोज पांडेय ने कहा कि उन्हें प्रदेश भर के आचार्यों, संतों और महामंडलेश्वरों का सम्मान करने का अवसर मिला है, जो उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति, विरासत और परंपराओं को संरक्षित एवं आगे बढ़ाने में संत समाज और विद्वानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि समाज को उन लोगों के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखनी चाहिए, जिन्होंने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवित रखने में योगदान दिया है। ऐसे व्यक्तित्वों का सम्मान नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करता है।

फास्ट न्यूज

बाप से झगड़ रहे बेटे के बीच आईं मां, मौत

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार रात बाप से झगड़ा कर रहे बेटे को हटाने आई मां गिर पड़ीं, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने बेटे को हैंडपंप से बांधकर पुलिस बुला ली। पुलिस जब उसे हिरासत में ले जाने लगी तो चिल्लाने लगा- मुझे अम्मा का मुंह तो दिखा दो। घटना कटरा बिजन बेग चौकी क्षेत्र के तकिया पीर ज्ञान मोहल्ले की है।

गत्ते में 7 दिन की बच्ची लावारिस मिली

लखनऊ। लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में कन्वेंशन सेंटर के पास आधी रात को गत्ते में 7 दिन की मासूम मिली है। बच्ची रो रही थी। रोने की आवाज सुनकर बच्ची के पास राहगीर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने डिब्बा खोला तो बच्ची कॉटन के बीच रखी गई थी।

बच्ची को गुलाबी टॉप और डायपर पहनाया गया था। सूचना मिलते ही पीआरवी, गाजीपुर थाना पुलिस और सर्वोदय नगर चौकी की टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी सुरक्षा में लिया। यही वो छोटा सा बॉक्स है, जिसमें किसी ने 7 दिन की मासूम को कॉटन के बीच रखकर बेसहारा छोड़ दिया।

लुलु मॉल के सामने बनेगा फुट ओवरब्रिज

लखनऊ । लखनऊ में शहीद पथ पर स्थित लुलु मॉल के पास जल्द ही 100 मीटर लंबा और 5 मीटर चौड़ा अत्याधुनिक स्काई वॉक (फुट ओवरब्रिज) बनाया जाएगा। करीब 18 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर विकसित होगी, जिसका पूरा खर्च निजी कंपनी वहन करेगी। गुरुवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में परियोजना के प्रस्तुतीकरण के बाद निर्माण कार्य को मंजूरी दे दी गई।

राजधानी में डिप्टी सीएम ने 14 पॉलीक्लीनिक का लोकार्पण किया

यूपीएचसी अपग्रेड हुए, एक्सपर्ट डॉक्टर करेंगे इलाज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 14 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को पॉलीक्लीनिक के रूप में अपग्रेड किया गया है। इन पॉलीक्लीनिक का लोकार्पण शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। कार्यक्रम में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन पॉलीक्लीनिक के शुरू होने से मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा अपने घर के नजदीक ही मिल सकेगी और उन्हें छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए बड़े सरकारी अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। विभागीय योजना के मुताबिक सभी पॉलीक्लीनिक में आठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सर्जन और मनोचिकित्सक शामिल हैं। पॉलीक्लीनिक में मरीजों के लिए आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। यहां एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, मिनी पैथोलॉजी लैब और ईसीजी जांच की सुविधा मिलेगी। साथ ही 63 प्रकार की डायग्नोस्टिक सेवाएं और 195 प्रकार की आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, प्रत्येक पॉलीक्लीनिक में प्रतिदिन करीब 500 ओपीडी मरीजों को सेवाएं देने की क्षमता विकसित की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

‘2027 तक होगा बालश्रममुक्त प्रदेश’

15 जनपदों को दिसंबर 2026 तक बाल श्रम मुक्त किया जाएगा-प्रमुख सचिव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । अंतर्राष्ट्रीय बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में श्रम एवं सेवा योजन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा एक विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उददेश्य बालश्रम उन्मूलन के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों की शिक्षा सुरक्षा एवं समग्र विकास के अधिकारों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाना है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार के संकल्प पत्र के क्रम में वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को बालश्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य के प्रति जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया गया और बालश्रम निषेध संबंधी विधिक

प्रावधानों की जानकारी भी उपलब्ध करायी गई। इस अवसर पर प्रदेश के 15 जनपदों के 141 हॉट-स्पॉट-क्षेत्रों को बाल श्रम मुक्त घोषित किया गया। बाल श्रम में संलिप्त बच्चों को मुक्त कराकर विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जा रहा है तथा उनके परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, ताकि उनके बच्चे बालश्रम की ओर उन्मुख न होकर अपने भविष्य के लिए ही चिन्तित रहे। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग एवं सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के 15 जनपदों को दिसंबर 2026 तक बाल श्रममुक्त बनाए जाने की कार्यवाही चल रही है तथा सरकार ने वर्ष 2027 तक पूरे उत्तर प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, डॉ० एम0 के0 शन्मुगा सुन्दरम ने कहा कि आज 141 शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों को बाल श्रम मुक्त घोषित किया जा रहा है।

> बतौर मुख्य अतिथि, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि प्रदेश सरकार बाल श्रम उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना तथा उनके शैक्षिक, बौद्धिक एवं शारीरिक विकास को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

वर्ष 2027 तक प्रदेश को बालश्रम मुक्त करना लक्ष्य

मंत्री जी ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि वर्ष 2027 तक प्रदेश को बालश्रम मुक्त कर देना है। इसके लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे, ताकि हमारे देश के भविष्य नौनिहालों का भविष्य उज्ज्वल हो सके। यही कारण है कि सरकार द्वारा अटल आवसीय विद्यालय संचालित किये जा रहे है, जिसमें वो समस्त सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है जो उच्चकाटि के विद्यालयों में है, जहॉ श्रमिक का बच्चा शिक्षा प्राप्त कर अपने व अपने पारिवार का सपना साकार कर सके।

डबल इंजन सरकार का नया फॉर्मूला: मंत्री 'लाचार', अफ़सर 'सच्चे सरकार' ! : वंशराज दुबे

‘जब मंत्री की नहीं सुनी गई तो आम जनता की कौन सुनेगा’

तमसा संकेत, संवाददाता

> डबल इंजन नहीं, अफसरों और भ्रष्टाचार की सरकार बन चुकी है भाजपा सरकार : वंशराज दुबे

लखनऊ । आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष के बीच सार्वजनिक रूप से सामने आए विवाद को योगी सरकार की प्रशासनिक विफलता, भ्रष्टाचार और अफसरशाही के वर्चस्व का सबसे बड़ा प्रमाण बताते हुए कहा कि जब प्रदेश का ऊर्जा मंत्री अपने ही विभाग में हो रही कथित अनियमितताओं, जाति-धर्म के आधार पर भर्ती, अनुभवी कर्मचारियों की छंटनी और बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसे मामलों में पत्र लिखकर गुहार लगाने को मजबूर हो जाए तो यह स्पष्ट हो जाता है कि उत्तर प्रदेश में लोकतांत्रिक सरकार नहीं बल्कि अफसरशाही का शासन चल रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का पूरा मॉडल फेल हो चुका है और जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को केवल शोपीस बनाकर रखा गया है। वंशराज दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में रामराज्य का दावा करते हैं, लेकिन ऊर्जा मंत्री की बेबसी ने उस दावे की सच्चाई उजागर कर दी है। सवाल यह है कि सरकार में बड़ी किसकी है—मंत्री की कुर्सी या अफसर की कलम? यदि मंत्री के आदेशों का पालन नहीं हो रहा, यदि उनकी आपत्तियों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, तो फिर सरकार चल कौन रहा है? यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि सबसे शर्मनाक तथ्य यह है कि ऊर्जा मंत्री को बिजली उपभोक्ताओं पर लगाए गए 10 प्रतिशत अतिरिक्त फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज की जानकारी भी विभाग से नहीं बल्कि मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से मिली। यह किसी हास्य व्यंग्य का विषय नहीं बल्कि शासन व्यवस्था की गंभीर विफलता है।

निगम में जाति और धर्म के आधार पर फैसले लिए जा रहे

वंशराज दुबे ने कहा कि मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्वयं पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि निगम में जाति और धर्म के आधार पर फैसले लिए जा रहे हैं, अनुभवी कर्मचारियों को हटाया जा रहा है और उनकी जगह अकुशल लोगों की नियुक्तियां की जा रही हैं। मंत्री ने यह भी लिखा कि कई बार निर्देश देने के बावजूद उनकी बात नहीं मानी गई। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है कि प्रदेश का एक कैबिनेट मंत्री अपने ही विभाग में असहाय दिखाई दे रहा है।

- ऊर्जा विभाग की अंतर्कलह पर आप मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे का हमला, मंत्री के आरोपों ने योगी सरकार की पोल खोली
- साहब की 'कुर्सी' बड़ी या अफ़सर की 'कलम'? ऊर्जा मंत्री की बेबसी ने खोली 'रामराज्य' की पोल!: वंशराज दुबे
- मंत्री जी अखबार पढ़कर जानते हैं विभाग का हाल, वाह री डबल इंजन सरकार की बेमिसाल चाल!: वंशराज दुबे

2 तस्कर गिरफ्तार 60 लाख की खेप बरामद

नेपाल से लाते थे, मुंबई-पुणे में सप्लाई करते थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने लखनऊ से ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 600 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपए है। दोनों आरोपी नेपाल से ब्राउन शुगर लाकर महाराष्ट्र के शहरों में सप्लाई करते थे।

एसटीएफ ने बुधवार रात इटौंजा टोल प्लाजा के पास कार्रवाई करते हुए लखीमपुर खीरी निवासी प्रकाश सिंह और आकाशदीप सिंह को गिरफ्तार किया। टीम को सूचना मिली थी कि दोनों तस्कर ब्राउन शुगर की खेप लेकर लखनऊ आ रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी की सूचनाओं के बाद एसटीएफ की बरेली यूनिट लगातार निगरानी कर रही थी। इसी दौरान मिले इनपुट के आधार पर इटौंजा टोल प्लाजा पर जाल बिछाया गया। रात करीब 8:50 बजे दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया।

तलाशी में 600 ग्राम ब्राउन शुगर के अलावा एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, चार एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड और 150 नेपाली रुपये बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नेपाल से हेरोइन (ब्राउन शुगर) खरीदकर लाते थे और उसे मुंबई व पुणे में ऊंचे दामों पर बेचते थे।

डील : यूपी के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को मिलेगी नि :शुल्क फाइनेंशियल स्किल्स की ट्रेनिंग

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और एनएसई के बीच हुआ एमओयू

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार से जोड़ना ही अब योगी सरकार का लक्ष्य नहीं है, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं का दायरा बढ़ाते हुए युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, जागरूक और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार नागरिक बनाना भी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के इसी विजन को धरातल पर उतारते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बीच शुक्रवार को एमओयू हुआ। योगी सरकार की इस पहल पर पहली बार कौशल प्रशिक्षण को वित्तीय शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। इस साझेदारी के तहत यूपीएसडीएम तथा दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू जीकेवाई) के अंतर्गत प्रदेश भर में 1000 से अधिक ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 1.5 लाख से अधिक युवाओं को अगले हफ्ते से फाइनेंशियल स्किलिंग की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह एमओयू प्रदेश के युवाओं के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आएगा। कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने वाले युवा अब केवल आय अर्जित नहीं करेंगे, बल्कि यह भी समझेंगे कि पहली सैलरी का सही उपयोग कैसे करें, बजट और बचत कैसे शुरू करें, इन्वेस्टमेंट कब और कहां करना चाहिए, लोन से कैसे बचना है, भविष्य की आर्थिक सुरक्षा कैसे तैयार करनी है।

वर्कशॉप का आयोजन

एमओयू से पहले मिशन मुख्यालय स्थित सभागार में फाइनेंशियल लिटरेसी एंड अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों को वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक निर्णय क्षमता का महत्व बताया गया। मिशन निदेशक भी वर्कशॉप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आज के समय में ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाओं और वित्तीय अनिश्चितताओं के दौर में युवाओं को वित्तीय शिक्षा देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने फाइनेंशियल स्किलिंग की ट्रेनिंग देने का निर्णय लिया है ।

- यूपीएसडीएमयू और डीडीयू-जीकेवाई के 1000 से अधिक केन्द्रों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा होंगे लाभांवित
- रोजगार के साथ-साथ युवाओं को ‘स्किल + फाइनेंशियल इंटेलीजेंस’ मॉडल पर आत्मनिर्भर बनाएगा मिशन
- मिशन मुख्यालय में वर्कशॉप का आयोजन, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी जानें फाइनेंस मैनेजमेंट के 12 मूल मंत्र

एलयू में निष्कासित छात्रों को परीक्षा से रोका तीखी नोकझोंक

छात्रों का धरना 11वें दिन भी धरना जारी, माता प्रसाद पांडेय भी पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में निष्कासित छात्रों को परीक्षा में शामिल होने से रोके जाने पर शुक्रवार को नया विवाद खड़ा हो गया। परीक्षा केंद्र पर पहुंचे निष्कासित छात्रों और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

छात्र परीक्षा देने की मांग पर अड़े रहे, जबकि प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने परीक्षा नियंत्रक के आदेश का हवाला देते हुए उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया। इस दौरान परीक्षा केंद्र के बाहर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। छात्रों का कहना था कि परीक्षा में शामिल होने का अवसर उनका शैक्षणिक अधिकार है, जबकि विश्वविद्यालय प्रशासन अनुशासनात्मक कार्रवाई के आधार पर उन्हें परीक्षा से वंचित कर रहा है। काफी देर तक चले विवाद के बाद छात्रों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिला।

हमारी हत्या कर दो- का लगाया पोस्टर

बैनर के सामने छात्रों द्वारा हाथों में लिए गए पोस्टरों पर लिखा था “या तो निष्कासन वापस लो, या हमारी हत्या कर दो, हम छात्र हैं अपराधी नहीं।” इस संदेश के जरिए छात्रों ने अपनी नाराजगी और मानसिक पीड़ा को व्यक्त करने का प्रयास किया। छात्रों ने धरना स्थल पर “अनिश्चितकालीन धरना, निष्कासन नहीं न्याय चाहिए” का बैनर भी लगाया। बैनर में तीनों निष्कासित छात्र नेताओं की बहाली, छात्रहितों की बात करने पर हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई वापस लेने और फीस वृद्धि को निरस्त करने की मांग की गई है।

राजभर बोले- अदिति मेरी भी बेटी, लेकिन अखिलेश अपनी गिरेबान में झांके

अखिलेश की बेटी पर आपत्तिजनक पोस्ट, चार पर एफआईआर हुई दर्ज

मुकदमा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर/प्रतापगढ़ । अखिलेश यादव की बड़ी बेटी अदिति यादव (23) को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में गुरुवार को कानपुर-प्रतापगढ़ में FIR दर्ज हुई। कानपुर में भरत पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद यादव और प्रतापगढ़ में शीतला सुजान कवि नाम की आईडी पर मुकदमा दर्ज हुआ है।

आरोप है कि इन लोगों ने सोशल मीडिया पर अदिति के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट की। इससे समाज में अखिलेश यादव और उनके परिवार की छवि धूमिल हुई।

इसलिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने गुरुवार को X पर लिखा-अदिति मेरी भी बेटी है। आप पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से हम शर्मिंदा हैं। जिसने भी ऐसी हरकत की, वह शर्मनाक है। लेकिन अखिलेश अपनी गिरेबान में झांके। मेरे और मेरे परिजनों के बारे में क्या-क्या लिखवाते रहते हैं। गारंटी से कह सकता हूं कि यह घटिया हरकत करने वालों में कोई सपाई ही होगा। वहीं, सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा- भाजपा सरकार से निकृष्ट कोई सरकार हो नहीं सकती। ऐसे में क्या कहूं। अगर सपा के लोग जिले-जिले में उतर जाएं तो लॉ एंड ऑर्डर की दिक्कत हो जाएगी।

प्रतापगढ़ में सपा के महासचिव ने शिकायत दर्ज कराई

प्रतापगढ़ में सपा के महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने एफआईआर में लिखा है कि फेसबुक पर "शीतला सुजान कवि पत्रकार" नाम की एक फर्जी आईडी से अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के बारे में गलत और आपत्तिजनक बातें फैलाई जा रही हैं। इन पोस्टों में निजी आरोप लगाए गए हैं, जिससे एक महिला की गरिमा, सम्मान और छवि को नुकसान पहुंच सकता है। इससे समाज में भ्रम फैल सकता है और सामाजिक सौहार्द भी बिगड़ सकता है। इसलिए एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने आपत्तिजनक पोस्टों पर आपत्ति जताई है। कहा- सपा प्रमुख की बेटी के बारे में सोशल मीडिया पर अपमानजनक बातें फैलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बेटियों का सम्मान राजनीति से ऊपर है। समाज को ऐसे गलत कामों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। मामले की जांच की जाए।

अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव ने मुकदमा दर्ज कराया।

राजभर बोले- बेटी, आप पर की गई टिप्पणी से हम शर्मिंदा

मंत्री राजभर ने लिखा- अदिति यादव मेरी भी बेटी है। लेकिन अखिलेश जी को क्या कहूं? पूरी तरह से ट्विटर, एसी और पीसी के नेता हैं। कोई गंभीरता नहीं। अदिति के खिलाफ लाल-हरी टोपी वालों में से जिसने भी आपत्तिजनक पोस्ट की है, वह शर्मनाक और गुनाह-ए-अजीम है। लेकिन यह समय स्वयं अखिलेश यादव जी समेत सपाइयों के लिए भी अपने गिरेबान में झांकने का है।

उन्होंने कहा-सपाई हमेशा लोगों को गालियां देते और दिलवाते रहते हैं। किसी की जाति का, किसी के रंग का, किसी की श्रद्धा का, किसी के कपड़ों का, किसी के पेशे का मजाक उड़ाते रहते हैं। मैं स्वयं अखिलेश के गुंडों का भुक्तभोगी हूं। सोशल मीडिया पर अखिलेश मेरे और मेरे परिजनों के बारे में क्या-क्या लिखवाते रहते हैं।पूरा बहुजन समाज रोज देख रहा है।

गुरु युगान्तर सिन्दूर को मिला, केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 2025

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने आज कला के क्षेत्र में अपने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान 'केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार - 2024' एवं 2025 की घोषणा कर दी है। भारतीय संगीत के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए लखनऊ निवासी प्रख्यात ग़ज़ल गायक गुरु युगान्तर सिन्दूर को 'केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार-2025 से सम्मानित करने की घोषणा अकादमी द्वारा की गई है। उल्लेखनीय है कि उक्त सम्मान निकट भविष्य में भारत की माननीया राष्ट्रपति के हाथों नई दिल्ली के विज्ञान भवन या राष्ट्रपति भवन में प्रदान किए जाएंगे।

युगान्तर सिन्दूर को इससे पूर्व प्रदेश सरकार ने संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ₹संगीत नाटक अकादमी सम्मान-2002₹ ₹बेगम अख़्तर पुरस्कार-2018₹ एवं संगीत नाटक अकादमी फैलोशिप-2020 जैसे प्रतिष्ठित सामानों से विभूषित किया है। आकाशवाणी महानिदेशालय वर्ष 2003 में गुरु युगान्तर सिन्दूर को अपनी सर्वोच्च श्रेणी ₹टॉप-ग्रेट आर्टिस्ट सम्मान'' से सम्मानित कर चुका है। भारत सरकार की ओर से अनेक देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले गुरु युगान्तर सिन्दूर ने संगीत शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किया है। देश विदेश में अपने शिष्यों की एक लंबी श्रृंखला तैयार की है। फिल्म आदिपुरुष के भजन ₹राम सियाराम, सियाराम जय जय राम₹ को गाने वाले चर्चित पार्श्व गायक सचिन टंडन भी गुरु युगान्तर सिन्दूर के ही तराशे हुए शिष्य हैं।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में छोटे भाई के हत्यारोपी ने किया सरेंडर

गोरखपुर। गोरखपुर में 9 जून को मां की तेरहवीं के दिन दुर्गविजय शर्मा ने छोटे भाई सत्यप्रकाश उर्फ शुभम शर्मा (23) के सीने में गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देकर हत्यारोपी भाई फरार हो गया था। पुलिस की 3 टीमें उसकी तलाश में लगी थी। पुलिस को चकमा देते हुए शुक्रवार अपराह्न करीब 3 बजे नाटकीय ढंग से हत्यारोपी ने सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

वाराणसी में 24 घंटे में 6 डिग्री गिरा तापमान

वाराणसी। वाराणसी में पिछले 24 घंटों में वाराणसी के मौसम ने अचानक करवट ली है। शहर का अधिकतम तापमान करीब 6 डिग्री सेल्सियस गिरकर 36 डिग्री पर पहुंच गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली।

हालांकि नमी का स्तर बढ़ने से उमस ने लोगों की परेशानी कम नहीं होने दी। वहीं दूसरी ओर शहर के कई इलाकों में लगातार बिजली कटौती और ट्रांसफॉर्मर खराब होने की घटनाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

वॉशरूम की बदबू ऑफिस तक पहुंची

गोरखपुर। गोरखपुर के गोलघर स्थित GDA टॉवर में इन दिनों सबसे बड़ी समस्या गंदगी और पानी सप्प्लाई की है। पिछले तमाम शिकायतों के बाद अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। वाशरूम की जर्जर और बत्तर स्थिति से वहां के दुकादारों और ऑफिस वालों को इंफेक्शन का डर सता रहा है। वाशरूम का बदबू ऑफिस और दुकानों तक पहुंच रही है। सबसे ज्यादा दिक्कत यहां काम करने वाली लड़कियों और महिलाओं को रही है।

उन्नाव में 100 की स्पीड में ट्रक से भिड़ी कार 4 की मौत

बॉडी सीट से चिपकी मिलीं, गाड़ी काटकर निकाली गईं

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। प्रयागराज की तरफ से आ रही टाटा पंच कार गंगा एक्सप्रेस-वे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इससे कार सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 2 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। घटना थाना आसीवन क्षेत्र में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय कार की स्पीड करीब 100 किमी प्रति घंटे की रही होगी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। कार में बैठे लोग सीटों से चिपक गए थे। दरवाजे काटकर लोगों को कार से बाहर निकाला गया। हादसे में मरने वाले चारों युवकों की शिनाख्त पुलिस ने कर ली है। फूलपुर के जाफरपुर निवासी उदय सिंह (26), अनुपम गुप्ता (32) और बाबूगंज कस्बा निवासी विजय (25) व अमन (28) की जान गई है।

गंगा एक्सप्रेस–वे पर सड़क हादसे में कार सवार 4 दोस्तों की मौत।

हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर लोगों की भीड़ लग गई। राहगीरों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को सड़क से किनारे हटवाया। पुलिस के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3:20 बजे हुआ था। ट्रक में खराबी आने के कारण ड्राइवर ने उसे सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार टाटा पंच कार ने ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक थी। तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर कार पर कंट्रोल खो बैठा और सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा भिड़ा।

काशी में नर्सिंग छात्रा की रेप से हुई थी मौत

वाराणसी। वाराणसी में 19 साल की नर्सिंग छात्रा की मौत अबॉर्शन पिल्स खाने से नहीं, क्रूरता के साथ रेप करने से हुई थी। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (ADCP) लिपि नागायच ने बताया, आरोपी ने छात्रा के साथ ब्रूटल मतलब बर्बर तरीके से रेप किया था। इससे छात्रा के प्राइवेट पार्ट में इंजरी थी। इस कारण से उसे बहुत ज्यादा ब्लीडिंग हुई और मौत हो गई।

ADCP ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हेमोरेजिक शॉक (अधिक रक्तस्राव) भी आया है। छात्रा के पिता पुलिस विभाग में सिपाही हैं। उनकी शिकायत पर पहले आरोपी पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। मगर अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद रेप और सबूत मिटाने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

एक दिन पहले आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया था कि उनके बीच दो साल से अफेयर था। छात्रा 3 महीने की प्रेग्नेंट थी।

पुलिस मुठभेड़ में ट्रांसफार्मर चोरी गिरोह के इनामी बदमाश गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे पुलिस, स्वाट टीम और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में ट्रांसफार्मर चोरी एवं डकैती की वारदातों में वांछित दो शातिर अपराधियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी 25-25 हजार रुपये के इनामी बदमाश थे और लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहे थे। पुलिस के अनुसार 11 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि गोवर्धन क्षेत्र में ट्रांसफार्मर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो अपराधी एक सफेद कार से क्षेत्र में रेकी कर रहे हैं और किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना हाईवे पुलिस, स्वाट टीम एवं एसओजी ने निर्माणाधीन बैकुंठ सिटी के सामने पालीखेड़ा-महोली रोड पर घेराबंदी कर दी। पुलिस द्वारा संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किए जाने पर उसमें सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धर्मवीर उर्फ देव निवासी आगरा तथा विपिन निवासी फिरोजाबाद के रूप में हुई है। दोनों आरोपी 4 जून को थाना गोवर्धन क्षेत्र में दो 250 केवीए ट्रांसफार्मरों को क्षतिग्रस्त कर उनमें से कीमती वाइंडिंग तार चोरी करने की घटना में वांछित चल रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे .315 बोर, छह जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, 55 हजार रुपये नकद, ट्रांसफार्मर के 15 प्लेट, चार एंगल, दो बोल्ट, एक इंसुलेटर तथा बिना नंबर प्लेट की सफेद अर्टिगा कार बरामद की है।

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी संगठित गिरोह बनाकर ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।

चंदौली में क्लासमेट चाकू लेकर पहुंचा, सीने पर वार किए, बाकी स्टूडेंट डरकर भागे

स्कूल में 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली । यूपी के चंदौली में 10वीं के छात्र की शुक्रवार सुबह स्कूल में हत्या कर दी गई। वारदात को क्लासमेट ने अंजाम दिया। आरोपी छात्र कमर में चाकू छिपाकर क्लास पहुंचा। वहां उसने सीने पर चाकू से वार किए। अचानक हुए हमले में लवकुश यादव (17) संभल नहीं पाया। खून से लथपथ होकर वह वहीं गिर गया। क्लासरूम में हुई चाकूबाजी से भगदड़ मच गई। टीचर-स्टूडेंट्स क्लास छोड़कर भाग गए। शोर-शराबा हुआ तो बाकी टीचर मौके पर पहुंचे। घायल छात्र को जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी छात्र भी नाबालिग है। उम्र 17 साल है। पुलिस ने वारदात के बाद वो क्लास में खड़ा रहा। टीचर ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। उसने अपना जुर्म कबूल किया है। मृतक छात्र के पिता बबलू यादव और उसकी मां विमला गुरुवार को अयोध्या गए थे। बेटे की हत्या की सूचना मिलने के बाद चंदौली लौट रहे हैं। वारदात जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर सदर कोतवाली क्षेत्र के प्रतापपुर गांव की है। प्रतापपुर गांव के बबलू यादव ड्राइवर हैं। वे एक प्राइवेट कंपनी में गाड़ी चलाते हैं। उनका बेटा लवकुश यादव (17) गांव में ही आदर्श इंटर कॉलेज में हाई स्कूल का छात्र था।

लवकुश मृतक

इसी कॉलेज के क्लासरूम में छात्र की हत्या कर दी गई। साथी छात्र ने ही वारदात को अंजाम दिया।

66 गांव में आरोपी का एक मंजिला घर है। उसके पिता स्वास्थ्य विभाग में संविदा कर्मचारी हैं। आरोपी का एक भाई इंटर का छात्र है। वारदात के बाद आरोपी के घर पर ताला लगा हुआ है। सभी लोग घर छोड़कर फरार हैं।

टीचर बोले- अचानक उठकर आया, चाकू मारकर भागा

वारदात के दौरान क्लास में पढ़ा रहे टीचर दीनदयाल यादव ने बताया- सुबह बच्चों को एक्स्ट्रा क्लास के लिए बुलाया गया था। ये दोनों बच्चे भी आए थे। क्लास में लवकुश आगे बैठा था। जबकि हत्यारोपी उसके पीछे वाली सीट पर था। मैं बच्चों को पढ़ा रहा था। उस समय क्लास में 10 बच्चे थे। तभी अचानक वो पीछे से उठकर आगे आया और कुछ ही सेकेंड में लवकुश पर चाकू से वार कर दिए। बच्चों ने शोर मचाया तो मैं पीछे मुड़ा। देखा तो लवकुश जमीन पर गिर गया था। उसका शर्ट खून से लाल था। जबकि आरोपी हाथ में चाकू लिए खड़ा था। हम लोगों ने लवकुश को उठाया और एंबुलेंस को कॉल की। इसी दौरान पुलिस को बुलाकर आरोपी को पकड़वाया। स्कूल में इन दोनों में कभी कोई विवाद सामने नहीं आया।

उनका एक और 6 साल का बेटा अंश है। लवकुश अपने ही कॉलेज में समर वेकेशन में चलने वाली एक्स्ट्रा क्लास करता था। प्रत्यक्षदर्शी छात्र ने बताया कि क्लास में आरोपी पीछे वाली सीट पर बैठा था, जबकि लवकुश आगे वाली सीट पर था।

शाहजहांपुर में रेप आरोपी के एनकाउंटर पर पथराव-हंगामा

महिलाओं ने चौकी घेरी, डंडे चलाकर पुलिसवालों से भिड़ीं

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर । शाहजहांपुर में गुरुवार दोपहर बवाल हो गया। रेप के आरोपी के हाफ एनकाउंटर पर लोग भड़क उठे। लोगों ने आरोपी को बेगुनाह और पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर करने का आरोप लगाते हुए चांदपुर पुलिस चौकी घेर ली। 150 से ज्यादा महिलाएं-बच्चे और पुरुषों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पुलिस ने समझाने की कोशिश की तो भीड़ और उग्र हो गई। पुलिस के साथ धक्का-मुक्की होने लगी। विवाद बढ़ा तो भीड़ ने पथराव किया। महिलाएं भी हाथ में डंडा लेकर पुलिस की तरफ दौड़ीं। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज करके लोगों को खदेड़ा। पुलिस के लाठीचार्ज का वीडियो सामने आया है। मामला जिला मुख्यालय से करीब 75 किमी दूर खुटार थाना क्षेत्र का है। आरोपी युवक पर एक साल की बच्ची से रेप का आरोप है। पीड़िता के पिता ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

आरोपी गुड्डू ने पुलिस को बताया कि उसका घर बच्ची के मकान के पास ही है। बच्ची का परिवार उससे बातचीत भी करता था और वह अक्सर बच्ची को घर जाकर खिलाता भी था। उसने दावा किया कि उसके मन में कभी बच्ची के साथ गलत हरकत करने का विचार नहीं आया था। लेकिन, जब मंगलवार को वह बच्ची के घर गया तो वह अकेली लेटी थी। वह बच्ची के पास गया और उसके साथ खेलने लगा। इसी दौरान उसने बच्ची के कपड़े उतार दिए और उसके साथ रेप किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

'25 करोड़ लोग...

लेकिन फोकस्ड कार्यक्रम और उनका सफल क्रियान्वयन पहले नहीं देखा गया था. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश में केवल चार जातियां हैं. पहली गरीब की जाति है, दूसरी आधी आबादी महिलाओं की है, तीसरी युवा और चौथी अन्नदाता किसान की है. इन चारों को राजनीतिक एजेंडा का विषय बनाकर उनके उत्थान के लिए जो कार्यक्रम बने, वह अद्भुत हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में स्वच्छ और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 45 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास से बसों का फ्लैग ऑफ किया। इन बसों के संचालन से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) समेत गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र की लोकल कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलेगी।

गौतमबुद्ध नगर के लिए इलेक्ट्रिक बसों के फ्लैग ऑफ और नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने बुनियादी ढांचे और परिवहन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) की 45 नई इलेक्ट्रिक बसों में से 11 बसों का संचालन लखनऊ में और 34 बसों का संचालन नोएडा क्षेत्र में किया जाएगा। पहले चरण में करीब 30 से 35 बसों को सड़कों पर उतारा जाएगा।

नामांकन रद्द होने के ...

मीनाक्षी नटराजन चाहें तो चुनाव याचिका दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दे सकती हैं।

दरअसल, मध्य प्रदेश की तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को मीनाक्षी का नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया। इसके खिलाफ कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। याचिका खारिज होने पर मीनाक्षी ने कहा कि पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मीनाक्षी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था, 'रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें शुरुआती चरण में ही बाहर कर दिया। उन्हें चुनाव लड़ने दिया जाए, अगर उन्हें वोट नहीं मिलते हैं तो वे हार जाएंगी, यही लोकतंत्र की प्रक्रिया है।'

मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल था, लेकिन 9 जून को भाजपा ने आपत्ति लगाई कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने अपने खिलाफ दर्ज एक केस की जानकारी नामांकन पत्र में नहीं दी। इसे स्वीकार करते हुए रिटर्निंग अधिकारी अरविंद शर्मा ने मीनाक्षी का नामांकन निरस्त कर दिया था।

ईरान ने भारतीय ...

इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे।

अमेरिकी सेना ने 10 जून को ओमान तट के पास भारतीय क्रू मेंबर वाले सेटेबेलो जहाज पर हमला किया। गुरुवार को 3 भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई। होर्मुज के पास 4 दिन में 3 जहाजों पर हमलाः अमेरिकी सेना ने मैरीवेक्स, सेटेबेलो और जलवीर नाम के जहाज पर हमला किया। इन जहाजों पर करीब 70 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे।

अमेरिका से तनाव के बीच ईरान ने कहा है कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी एडमिरल हबीबोल्लाह सय्यारी ने कहा कि तेहरान का परमाणु बम बनाने का कोई इरादा नहीं है।

महंगाई, भ्रष्टाचार ...

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों में न तो पर्याप्त डॉक्टर हैं और न ही मरीजों को दवाएं उपलब्ध हो पा रही हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा शासन में मिलावटी पेट्रोल बेचा जा रहा है और एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर भी विशेषज्ञों की आशंकाओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा महंगाई के लिए वैश्विक परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराती है, जबकि वह लंबे समय से सत्ता में है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की विदेश नीति भी असफल साबित हुई है और देश की अर्थव्यवस्था दबाव में है।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं कर सकी। किसानों को न न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिला और न ही कृषि सुविधाओं का विस्तार हुआ। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की स्थिति बेहतर होती तो प्रदेश में खुशहाली दिखाई देती।

युवाओं के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक होने से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने नीट परीक्षा से जुड़े विवादों का उल्लेख करते हुए कहा कि कई नौजवान मानसिक तनाव का शिकार हुए।

'जेल जाना पड़ेगा ...

इको गार्डन में छात्रों और वनडे एग्जाम की तैयारी कर रहे करीब 6 हजार अभ्यर्थियों ने सुबह 10 से शाम 4 बजे तक प्रदर्शन किया। अभिजीत दीपके भी इसमें शामिल हुए। वह करीब 40 मिनट तक रुके। उन्होंने सभी लोगों से 20 जून को दिल्ली आने का आह्वान किया।

हालांकि, कुछ छात्र-अभ्यर्थियों ने कॉकरोच पार्टी और अभिजीत दीपके का विरोध भी किया। कहा- हमारे इस आंदोलन का कॉकरोच पार्टी से कोई मतलब नहीं है। वे राजनीति कर रहे हैं। अगर अभिजीत दीपके यहां आ गए, तो हमारा आंदोलन तहस-नहस हो जाएगा।

4 बजते ही पुलिस ने अनाउंस कर प्रदर्शनकारियों को इको गार्डन से बाहर कर रही है। इस प्रदर्शन की अनुमति सुबह 10 से शाम 4 बजे तक थी।

नोएडा से आए शिक्षक नितिन ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ अभिजीत ने इस पूरे प्रदर्शन को डिरेल करने की कोशिश की। उन्हें पता ही नहीं था कि किस मुद्दे पर प्रदर्शन हो रहा है।

उनका कहना था कि हमने प्रोटेस्ट का आह्वान किया, जबकि ऐसा नहीं है। इस प्रदर्शन की रूपरेखा हमने 15 दिन पहले तैयार की थी। उसमें उत्तर प्रदेश के तमाम प्रतियोगिता के परीक्षार्थी शामिल थे।

कोलकाता की ...

आग कैसे लगी, और हजारों EVM इस आग की चपेट में कैसे आ गईं, भाजपा जवाब दे?

पश्चिम बंगाल के दमकल एवं आपदा प्रबंधन राज्य मंत्री कौशिक चौधरी ने बताया कि आग सबसे पहले दूसरी और तीसरी मंजिल पर दिखी थी। इसके बाद यह सातवीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं मंजिल तक पहुंच गई।

उन्होंने सवाल उठाया कि चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को ज्यादा नुकसान पहुंचे बिना आग ऊपर कैसे पहुंची। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी, लेकिन साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

ममता बनर्जी के...

उन्होंने लिखा था- ममता जी का ये अब तक का सबसे परेशान करने वाला और अपमानजनक बयान है। लोगों की सुरक्षा किसी के सहारे नहीं, कानून और व्यवस्था के भरोसे होनी चाहिए।

शिकायतकर्ता तुषार कांती दास का आरोप है कि ममता ने 9 मार्च 2026 को कोलकाता के धर्मतला स्थित मंच से भड़काऊ भाषण दिया था।

उनके बयान से सांप्रदायिक सौहार्द और राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंच सकता था। पहले नेताजी नगर थाने में जीरो FIR दर्ज की गई थी, जिसे बाद में कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने को ट्रांसफर कर दिया गया। BNS की धारा 196(1), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 गोल्ड जीते, अपने कोच के निधन का पता चलते ही मनु भाकर ने ट्रेनिंग रोकी

शूटर जसपाल राणा का निधन

दु:खद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। 1 जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) के प्रेसिडेंट कालीकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की। जसपाल के पिता नारायण सिंह राणा इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस, यानी ITBP में तैनात थे। उन्होंने 10 साल की उम्र में ही जसपाल को पिस्टल और राइफल शूटिंग के बारे में बताया। जसपाल ने शुरुआत में पिस्टल और राइफल दोनों से अभ्यास किया, लेकिन बाद में फेडरेशन ने एक इवेंट के लिए एक ही शूटर चुनने का नियम लागू किया, जिसके बाद उन्होंने पिस्टल शूटिंग को चुना। जसपाल 11-12 साल की उम्र तक ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगे थे। 1988 में सिर्फ 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने अहमदाबाद में आयोजित 31वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। 2008 ओलिंपिक में भारत को शूटिंग का पहला गोल्ड मेडल दिलाने वाले अभिनव बिंद्रा ने जसपाल राणा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म X पर लिखा- 'जसपाल के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। वे मेरे टीम मेट रहे हैं और भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली पीढ़ी के अहम सदस्य थे।

जसपाल राणा ने एशियन गेम्स में 4 गोल्ड जीते थे।

कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में 23 मेडल जीते

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स को मिलाकर कुल 23 मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मिलाकर कुल 8 मेडल थे। कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज को मिलाकर कुल 15 मेडल जीते थे। उन्हें 18 साल की उम्र में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 बार गोल्ड मेडल जीते थे। इनमें लगातार 4 एडिशन के गोल्ड शामिल रहे। राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच भी थे। उन्हें फरवरी 2025 में 25 मीटर पिस्टल के लिए भारतीय जूनियर टीम का हाई परफार्मेंस कोच बनाया गया था।

मनु भाकर ने ओलिंपिक मेडल जीतने के बाद जसपाल राणा के साथ फोटो पोस्ट की थी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में दर्द से कराहते हुए गोल्ड जीता था

जसपाल राणा ने कई इंटरनेशनल इवेंट्स में मेडल जीते, लेकिन 1994 में मिलान वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी जीत यादगार रही। प्रतियोगिता से एक दिन पहले उनके घुटने में फोड़ा हो गया था। डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी की सलाह दी और अस्पताल से छुट्टी देने से इनकार कर दिया था। डॉक्टरों की सलाह के उलट जसपाल और उनके कोच सनी थॉमस ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया, लेकिन अस्पताल से निकलने के बाद उसी रात फोड़ा फूट गया, जिससे उनका दर्द बढ़ गया।

बांग्लादेश ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में हराया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने गुरुवार को ढाका स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही बांग्लादेश ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली।

यह क्रिकेट इतिहास में पहली बार है, जब बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में हराया है। जीत के बांग्लादेश टीम के कप्तान और ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को मैच के तुरंत बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बल्लेबाजी के दौरान उनके सिर पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज की एक खतरनाक बाउंसर लगी थी, जिससे उन्हें कन्कशन की शिकायत हुई। तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में ढाका के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां वे अगले 24 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रहेंगे। हालांकि, अस्पताल जाने से पहले मेहदी ने गंभीर रूप से चोटिल होने के बावजूद मैदान नहीं छोड़ा और छक्का लगाकर टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास की पहली वनडे सीरीज जीत दिलाई।

बांग्लादेश की बल्लेबाजी के दौरान 34वें ओवर में ऑस्ट्रेलियाई पेसर रिले मैरेडिथ की तेज बाउंसर मेहदी हसन के हेलमेट के साइड में लगी। गेंद लगते ही मेहदी दर्द से घुटनों के बल बैठ गए। बांग्लादेश के फिजियो बायजेदुल इस्लाम खान तुरंत मैदान पर पहुंचे और उनकी जांच की। स्थिति को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम के डॉक्टर भी उनके पास आए। एहतियात के तौर पर स्ट्रेचर भी मंगाया गया था। मेडिकल ट्रीटमेंट के दौरान मेहदी परेशान दिखे और उन्हें मैदान पर ही उल्टी हुई, जो कन्कशन का बड़ा लक्षण है।

फुटबॉल वर्ल्डकप जीतने का सबसे बड़ा दावेदार स्पेन

18 साल के यमाल ताकत, फ्रांस नंबर-2

नई दिल्ली। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया की 48 बेस्ट टीमें खिताब के लिए भिड़ रही हैं। ऑप्टा सुपरकंप्यूटर और EPSN ने एनालिसिस किया और कहा कि इस वर्ल्ड कप की सबसे बड़ा दावेदार स्पेन है।

इस टीम का सबसे चर्चित चेहरा हैं 18 साल के लेमिन यमाल। उन्हें 16 गोल करने के लिए स्पेन के सबसे बड़े टूर्नामेंट ला लीगा का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया। साथ ही रोड्री और पेड्री जैसे भरोसेमंद मिडफील्डर्स के ये टीम ताकतवर हैं।

2018 का वर्ल्ड कप जीत चुकी फ्रांस इस बार दूसरी बड़ी दावेदार है, जिसके स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बापे इन-फॉर्म हैं। जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में गोल की हैट्रिक बनाई थी। वर्ल्ड कप में फ्रांस की टीम का नेतृत्व एम्बापे के हाथ में ही है।

इसके बाद नंबर है इंग्लैंड का, जिनके कैप्टन हैरी केन जबरदस्त फॉर्म में हैं। वे इस टूर्नामेंट में गोल्डन बूट के दावेदार भी माने जा रहे हैं। वे 2025-26 के सीजन में 51 मैचों में 61 गोल कर चुके हैं। चौथी दावेदार है पिछली विजेता अर्जेंटीना। जिनके स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी से इस बार भी करिश्मे की उम्मीद है। मेसी पिछले वर्ल्डकप में गोल्डन बूट विजेता थे और फाइनल में भी उन्होंने 2 गोल किए थे। टीम ने 2024 यूरो कप जीता था और उसके बाद UEFA नेशंस लीग के फाइनल तक पहुंची थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्पेन को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना है। स्पेन के चैंपियन बनने के चांस 16.1% हैं, जो सभी टीमों में सबसे ज्यादा है। स्पेन इकलौती ऐसी टीम रही, जिसके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की संभावना 50% से ज्यादा रही। स्पेन को ग्रुप-एच में उरुग्वे, सऊदी अरब और काबो वर्डी के साथ रखा गया है।

नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने भी परफॉर्म किया, मैक्सिको ने साउथ अफ्रीका को हराया

पॉपस्टार शकीरा ने फुटबॉल वर्ल्डकप ओपनिंग में 'डाई-डाई' सॉन्ग गाया

मैक्सिको, एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप की शुरुआत हो चुकी है। गुरुवार रात को मैक्सिको में 39 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी हुई। इसमें पॉप स्टार शकीरा और नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने परफॉर्म किया। दोनों ने मिलकर FIFA का ऑफिशियल सॉन्ग 'डाई-डाई' गाया। करीब 2 घंटे तक चली ओपनिंग सेरेमनी के बाद FIFA प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने हॉलीवुड एक्ट्रेस सलमा हाएक की मौजूदगी में वर्ल्ड कप ट्रॉफी पेश की। यहां कोलंबियाई सिंगर जे बलवीन ने भी परफॉर्म किया। इसके बाद मैक्सिको ने ओपनिंग मैच में साउथ अफ्रीका को 2-0 से हराया।

मैक्सिको को बढ़त 9वें मिनट में मिली। साउथ अफ्रीका के कप्तान और गोलकीपर रोनवेन विलियम्स की गलती टीम पर भारी पड़ गई। विलियम्स के बैकपास का फायदा उठाकर जूलियन क्विनोनेस ने टूर्नामेंट का पहला गोल दाग दिया।

44वें मिनट में क्विनोनेस का शॉट गोल पोस्ट से टकराकर बाहर आ गया। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका पहले हाफ में अटैक नहीं कर सकी और हाफ टाइम तक 1-0 से पीछे रही।

67वें मिनट में मैक्सिको के रोबर्टो अल्वाराडो ने क्रॉस डाला। इस पर स्ट्राइकर राउल जिमेनेज ने हेडर लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मैक्सिको ने अपनी बढ़त 2-0 कर ली और मैच अपने नाम कर लिया।

वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में कोलंबियाई पॉपस्टार शकीरा और नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने परफॉर्म किया।

अब वर्ल्ड कप के पहले मैच की रिपोर्ट पढ़ें

ओपनिंग मैच के 9वें मिनट में मैक्सिको के जूलियन क्विनोनेस ने गोल किया। इसके बाद 67वें मिनट में स्ट्राइकर राउल जिमेनेज बेहतरीन हेडर लगाकर बढ़त दोगुनी कर दी। मैक्सिको सिटी के एज्टेका स्टेडियम में रेफरी ने 3 रेड कार्ड दिए। साउथ अफ्रीका के स्पेफेलो सिथोले और थेम्बा ज्वाने को रेड कार्ड मिला। वहीं मैक्सिको के सेसर मोंटेस को एक्स्ट्रा टाइम में रेड कार्ड दिखाया गया।

> वर्ल्ड कप के बीच मैक्सिको में विरोध प्रदर्शन भी जारी रहा। टीचर्स की सैलरी बढ़ाने और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर लोग सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सरकार सामाजिक समस्याओं को नजरअंदाज कर वर्ल्ड कप आयोजन पर ध्यान दे रही है।

मनोरंजन

मेकर्स पर बिना अनुमति फिल्म बनाने का आरोप, बोले- मूवी में अंडरवर्ल्ड कनेक्शन दिखाया गया

फिल्म 'काला हिरण' को लेकर सलमान खान हाईकोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। एक्टर सलमान खान शुक्रवार को फिल्म काला हिरण के प्रोड्यूसर के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे हैं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने अदालत में दायर याचिका में कहा है कि फिल्म उनके बिना अनुमति के बनाई गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि फिल्म में उनके अंडरवर्ल्ड से संबंध होने का संकेत दिया गया है।

बता दें कि काला हिरण मामले से प्रेरित फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' का फर्स्ट लुक आज ही जारी किया गया था। जिसमें सलमान खान का जिक्र अयान खान और लॉरेंस का जिक्र लॉयन के नाम से किया गया है। फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की ओर से मिले लीगल नोटिस को फाड़ दिया था। जानी ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए वीडियो में कहा था,हर कोई मुझसे पूछ रहा है, मीडिया, दोस्त, कि सलमान खान के नोटिस पर आपको क्या कहना है? इस नोटिस पर मैं क्या कहूं? पिछले 36 घंटों से उनकी डोंगरी, धारावी, जोगेश्वरी के मुस्लिम लड़कों की फैन फॉलोइंग, उनके टूलकिट ने मुझे जान से मारने, मुंबई आने और सिर कलम करने के हजारों मैसेज भेजे हैं और उनके टूलकिट के जरिए एक मैसेज, चाहे वह असली हो या नकली, मुझे नहीं पता, डी-कंपनी के नाम से भेजा गया है। डी-कंपनी छोड़ेगी नहीं।

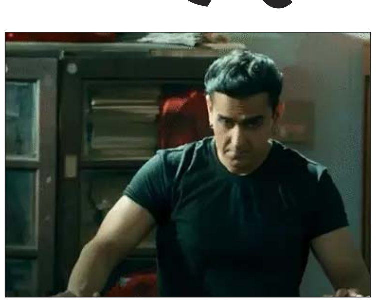

वीडियो में काला हिरण शिकार केस और कानूनी लड़ाई से जुड़े मामले को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन भारत एस. श्रीनाथ ने किया है। जबकि अमित जानी इसके लेखक और निर्माता हैं। फिल्म का टीजर 20 जून को रिलीज किया जाएगा।

'काला हिरण' को लेकर सलमान ने लीगल नोटिस भेजा था

'काला हिरण' को लेकर सलमान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। न्यूज18 की रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म DSK लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है। इस नोटिस में 'काला हिरण' नाम की प्रस्तावित फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को तुरंत रोकने की मांग की गई।

महिला आयोग का प्रणित मोरे हिमांशु जांगड़ा को नोटिस

सेजल पवार के कमेंट्स पर ए आई एम एस ए ने कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने गुरुग्राम में हुए कॉमेडियन प्रणित मोरे के स्टैंड-अप कॉमेडी शो से जुड़े विवाद का स्वतः संज्ञान लिया है। 370 की बिरयानी वाली वीडियो के मामले में आयोग ने प्रणित मोरे और हिमांशु जांगड़ा को सुनवाई नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई 22 जून को शाम 4 बजे आयोग के सामने तय की गई है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, NCW ने कहा कि वायरल वीडियो का कंटेंट और उसे मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किए जाने पर गंभीर चिंता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए NCW की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है। उन्होंने मामले में जल्द, सख्त और तय समय के भीतर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही आयोग ने पुलिस से सात दिनों के अंदर की गई कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट भी मांगी है। आयोग ने एफआईआर दर्ज होने की स्थिति, भारतीय न्याय संहिता (BNS) और अन्य लागू कानूनों के तहत की गई कार्रवाई, वायरल वीडियो की जांच और वेरिफिकेशन, तथा आयोजकों, कलाकारों और वेन्यू मैनेजमेंट की भूमिका से संबंधित जानकारी मांगी है। बता दें कि प्रणित मोरे के शो में दर्शक हिमांशु जांगड़ा ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हिमांशु और प्रणित की आलोचना हुई। हिमांशु गुरुग्राम की जिस डिजाइन और मार्केटिंग एजेंसी में काम करते थे, उसने इस विवाद के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया।

कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली प्रेरणा

नोरा कहती हैं- मैंने बॉलीवुड में कभी काम करने के बारे में नहीं सोचा था। इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने 'देवदास' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्में देखी थीं। मुझे लगता था कि सिर्फ इंडियन लड़कियां ही बॉलीवुड में एक्ट्रेस बन सकती हैं। बॉलीवुड में काम करने की प्रेरणा मुझे कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली। फिर मैंने बहुत ऑडिशन देने शुरू किए। स्ट्रगल के दिनों में आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उन्हें गुजारे के लिए छोटे-मोटे काम करने पड़े। नोरा ने कॉफी शॉप में वेटर का काम किया और लॉटरी टिकट भी बेचे। मॉडलिंग और छोटे प्रोजेक्ट्स मिलने लगे थे, लेकिन कई बार काम के बाद भी भुगतान नहीं मिलता था।

नोरा फतेही बोलीं- मेरा मजाक उड़ाया गया, 'दिलबर' जैसे कई गाने फ्री में करने पड़े

काम दिलाने की आड़ में ठगे गए 20 लाख रुपए

मुंबई। मुंबई की चमक-दमक के पीछे ठगी, ताने और संघर्ष की लंबी कहानी भी छुपी है। नोरा फतेही की जिंदगी भी ऐसी ही रही, जहां काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए गए और कई बार उन्हें बिना फीस के गाने करने पड़े। "मेरा मजाक उड़ाया गया, दिलबर जैसे कई गाने फ्री में करने पड़े"- यह दौर उनकी पहचान बनने से पहले के संघर्ष को दिखाता है। कनाडा से मुंबई आई नोरा ने वेटर से लेकर ऑडिशन तक हर रास्ता अपनाया, लेकिन हार नहीं मानी। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी स्टारडम की सबसे बड़ी ताकत बना। नोरा का जन्म एक रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में हुआ। घर में डांस को लेकर कड़ा विरोध था, लेकिन उनके अंदर बचपन से ही डांस का जुनून था। उन्होंने कभी प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग नहीं ली।

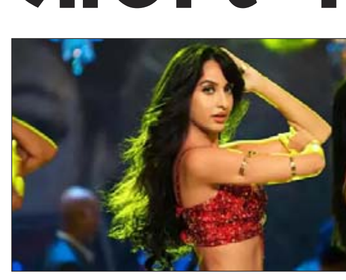

नोरा के लिए सबसे मुश्किल समय वह था जब पैसों की कमी के कारण उन्हें खाने तक के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि कई बार दिनभर सिर्फ ब्रेड और अंडे खाकर गुजारा करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने मुंबई छोड़ने का विचार नहीं किया और अपने सपनों के लिए डटी रहीं।

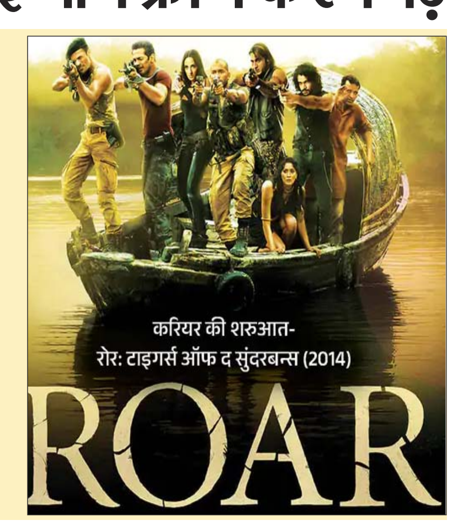

करियर की शरुआत- रोर: टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स (2014)

हिंदी न आने पर उड़ाया जाता था मजाक

नोरा ने बताया कि भारत आने के बाद सबसे बड़ी चुनौती भाषा थी। हिंदी न जानने की वजह से ऑडिशन में उन्हें बार-बार रिजेक्ट किया जाता था। कई बार लोग उनके उच्चारण और एक्सेंट का मजाक उड़ाते थे। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहीं।

नोरा कहती हैं- फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने कोई तैयारी नहीं की थी। मुझे लगा था कि मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाऊंगी। मैंने कपड़े पैक किए और मुंबई आ गई। यहां आने के बाद पता चला कि बहुत कुछ सीखना है। मुझे हिंदी नहीं आती थी।

हफ्ते के 3 हजार रुपए में चलाना पड़ता था खर्च

अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए नोरा फतेही कहती हैं कि उस समय जिस एजेंसी के साथ काम कर रही थी, वह उन्हें हफ्ते के सिर्फ 3 हजार रुपए देती थी। इतने कम पैसों में रोज का खर्च चलाना बहुत मुश्किल होता था। बॉलीवुड में पहचान बनाने से पहले मेरे साथ ठगी हुई। मैंने बताया था कि जब मैं कनाडा से भारत आई थी, तब मेरी पहली एजेंसी ने मुझे काम दिलाने का वादा किया। उनके कहने पर मैंने 20 लाख रुपए दे दिए। लेकिन बाद में उनका व्यवहार बदल गया। जब मैंने एजेंसी छोड़ने और पैसे वापस मांगने की बात की, तो उन्होंने साफ कह दिया कि पैसे नहीं मिलेंगे।

वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे, ईरान बोला- अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया

ईरान के साथ आज जंग खत्म हुई : ट्रम्प

दावा

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प गुरुवार को ओवल ऑफिस में प्रेस के सवालों का जवाब देते हुए।

अमेरिकी राजनयिक 45 बाद विदेश मंत्रालय से निकले

मेरिकी चार्ज डी'अफेयर्स जेसन मीक्स शुक्रवार को करीब 45 मिनट तक विदेश मंत्रालय में रहे। उन्हें ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले कारोबारी जहाजों पर हुए हमलों को लेकर भारत की ओर से तलब किया गया था। सूत्रों के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी पक्ष के समक्ष भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई और कमर्शियल जहाजों पर हो रही सैन्य कार्रवाइयों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

ट्रम्प ने 39वीं बार कहा- ईरान समझौता करीब

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक 39 बार अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता जल्द होने का दावा कर चुके है। हालांकि, ईरान भी लगातार कहता रहा है कि अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और कई अहम मुद्दों पर फैसला बाकी है।

इजराइल बोला- एक हफ्ते में हिजबुल्लाह के 310 ठिकानों पर हमला किया

इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने पिछले एक हफ्ते में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के 310 ठिकानों को निशाना बनाया और करीब 80 लड़ाकों को मार गिराया।

सेना के मुताबिक, गाजा में भी 20 से ज्यादा फिलिस्तीनी लड़ाके मारे गए, जबकि कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

एक्सपर्ट्स- ट्रम्प ईरान युद्ध खत्म करने के दबाव में

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर ईरान के साथ जारी संघर्ष खत्म करने का घरेलू दबाव बढ़ रहा है। यह युद्ध अमेरिका में अलोकप्रिय साबित हुआ है और इसका आर्थिक असर भी महसूस किया जा रहा है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रम्प ऐसे रास्ते की तलाश में हैं जिससे युद्ध खत्म हो, राजनीतिक नुकसान रुके और अर्थव्यवस्था को राहत मिले। माना जा रहा है कि वह नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले यह संकट सुलझाना चाहते हैं।

भारत ने 24 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी राजनयिक को तलब किया

भारत ने 24 घंटे के भीतर दूसरी बार अमेरिका के कार्यवाहक राजदूत (चार्ज डी'अफेयर्स) जेसन मीक्स को तलब किया है। यह कदम ओमान तट के पास भारतीय नाविकों वाले कारोबारी जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर उठाया गया है।

विदेश मंत्रालय (MEA) ने अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

अमेरिकी कार्रवाई का शिकार बने तेल टैंकर MT सेटेबेलो पर लापता तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इससे पहले 8 जून को अमेरिकी सेना ने MT मारिवैक्स को निशाना बनाया था। गुरुवार को ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज जलवीर से जुड़ी एक और घटना सामने आई।

राहुल गांधी बोले- 3 भारतीयों की मौत पर भी मोदी खामोश

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय नाविकों की मौत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन दिनों में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की जान गई, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर अब तक एक शब्द भी नहीं कहा।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, अंतरराष्ट्रीय जल में तीन दिन में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई। और हमारे Compromised PM? एक शब्द तक नहीं।

उन्होंने कहा, जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करे, तो प्रधानमंत्री को बोलना पड़ता है। लेकिन मजाल है जो ये एक शब्द बोल जाएं।

रिपोर्ट- ट्रम्प के ईरान पर हमले न करने के फैसले से नेतन्याहू हैरान

राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर हमले को रोक देने के फैसले की जानकारी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले से नहीं दी गई थी।

एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के सार्वजनिक बयान से पहले नेतन्याहू को कोई चेतावनी नहीं मिली और वह इस घोषणा से हैरान रह गए।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेतन्याहू और इजराइली अधिकारी लगातार अमेरिका से ईरान पर सैन्य दबाव बनाए रखने की मांग कर रहे थे।

अमेरिकी हमलों में 3 भारतीय नाविकों की मौत: अमेरिकी सेना ने 10 जून को ओमान तट के पास भारतीय क्रू मेंबर वाले सेटेबेलो जहाज पर हमला किया। गुरुवार को 3 भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई।

होर्मुज के पास 4 दिन में 3 जहाजों पर हमला: अमेरिकी सेना ने मैरीवेक्स, सेटेबेलो और जलवीर नाम के जहाज पर हमला किया। इन जहाजों पर करीब 70 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे।

भारत ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया : भारतीय क्रू वाले जहाज MT जलवीर पर हमले के बाद भारत ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया और जहाजों पर हमले तुरंत रोकने की मांग की।

ईरान पर सबसे बड़े हमले की धमकी: ट्रम्प ने ईरान के तेल ठिकानों पर कब्जा करने की धमकी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे आज रात ईरान पर सबसे बड़ा हमला करेंगे।

हमले से पलटे ट्रम्पः ट्रम्प ने 5 घंटे बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले करने का फैसला रद्द कर दिया है। उनकी ईरानी लीडरशिप से बातचीत काफी आगे बढ़ गई है।

रिपोर्ट- ट्रम्प के ईरान पर हमले न करने के फैसले से नेतन्याहू हैरान

राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर हमले को रोक देने के फैसले की जानकारी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले से नहीं दी गई थी। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के सार्वजनिक बयान से पहले नेतन्याहू को कोई चेतावनी नहीं मिली और वह इस घोषणा से हैरान रह गए। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेतन्याहू और इजराइली अधिकारी लगातार अमेरिका से ईरान पर सैन्य दबाव बनाए रखने की मांग कर रहे थे। उनका मानना था कि तेहरान बातचीत का इस्तेमाल समय हासिल करने के लिए कर रहा है।

भारत की सुरक्षा पर कभी नहीं सोचा, अब तेल पर दे रहे ज्ञान

यूरोप पर जयशंकर का पलटवार

हेलसिंकी, एजेंसी

पश्चिमी देशों के दोहरे रवैये पर कड़ा प्रहार करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2022 में यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद रूसी तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम वैश्विक तेल की कीमतों को कम रखने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के अनुरोध पर उठाया गया था।

फिनलैंड की अपनी यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने रूसी तेल पर अमेरिका के बदलते प्रतिबंधों की भी कड़ी आलोचना की। 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिका द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाने और उसके तेल की कीमत तय करने के बाद भारत रूसी तेल का एक प्रमुख खरीदार बनकर उभरा था।

फिनलैंड के कल्टारेंटा में आयोजित एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि उस समय अमेरिका ने तेल बाजार को स्थिर करने के लिए विशेष रूप से भारत से रूसी तेल खरीदने के लिए कहा था। एक पत्रकार द्वारा भारत पर रूस के प्रति बहुत अधिक सहानुभूति रखने और रूस से तेल खरीदने के लिए बहुत अधिक इच्छुक होने का आरोप लगाए जाने के बाद उन्होंने कहा, ₹मैं लागत और उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता हूं। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि उस समय बाजार में उपलब्ध अधिकांश तेल रूस का था क्योंकि यूरोपीय देश अनिवार्य रूप से मध्य पूर्व का तेल खरीद रहे थे, जो कि हमारा पारंपरिक सप्लायर था।

पाक में खौफ का माहौल, भारत ने पहली बार तैनात किए 12 परमाणु हथियार

इस्लामाबाद, एजेंसी

दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन और सैन्य ताकत को लेकर वैश्विक हथियारों की निगरानी करने वाली प्रतिष्ठित संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की रिपोर्ट के बाद पूरे पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने इतिहास में पहली बार अपने परमाणु हथियारों को केवल स्टॉकपाइल में रखने के बजाय सीधे तौर पर ऑपरेशनल मोड में तैनात कर दिया है।

इस खुलासे के तुरंत बाद पाकिस्तान सरकार और वहां के विदेश मंत्रालय की तरफ से बेहद डरा हुआ बयान सामने आया है, जिसमें इस्लामाबाद ने खुले तौर पर माना है कि भारत की परमाणु ताकत अंतरराष्ट्रीय अनुमानों से कहीं ज्यादा बड़ी और घातक हो सकती है।

भारत की इस बढ़ती सैन्य और परमाणु ताकत से घबराए पाकिस्तान ने अब दुनिया के अमीर और ताकतवर देशों से गुहार लगानी शुरू

कर दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विशेष रूप से भारत को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियां और आधुनिक हथियार सप्लाई करने वाले देशों से अपील की है कि वे इस पर तुरंत रोक लगाएं।

इस्लामाबाद का तर्क है कि भारत की यह आधुनिक होती सैन्य शक्ति दक्षिण एशिया में रणनीतिक स्थिरता और क्षेत्रीय सुरक्षा के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ देगी। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान का यह बयान उसकी अपनी आंतरिक आर्थिक व राजनैतिक कमजोरियों और भारत के मुकाबले रक्षा बजट में लगातार पिछड़ने की हताशा को दर्शाता है।

फास्ट न्यूज

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटिश रक्षा मंत्री जॉन हीली ने गुरुवार को अचानक इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ते खतरे के इस दौर में सरकार सेना पर पर्याप्त खर्च करने को तैयार नहीं है।

हीली ने प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर से कहा कि सरकार का रक्षा निवेश प्लान इस खतरनाक समय में जितनी जरूरत है, उससे काफी कम है।

'समुद्र में डकैती कर रहा अमेरिका'

तेहरान। ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनयिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। इस घटना में तीन भारतीय नागरिकों के मारे जाने की बात सामने आई है। इस घटनाक्रम के बाद जहां एक तरफ ईरान ने इसे अमेरिका की सशस्त्र डकैती करार दिया है, वहीं दूसरी तरफ भारत के विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए क्षेत्र में शांति और कूटनीतिक समाधान की अपील की है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भारतीय वाणिज्यिक जहाजों पर हुए इन कथित अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है।

मस्क आज दुनिया के पहले ट्रिलिनियर बनेंगे

न्यूयॉर्क। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स आज, 12 जून को अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक पर लिस्ट होगी। गुरुवार को कंपनी ने अपने आईपीओ का फाइनल प्राइस 135 डॉलर तय कर दिया है। 1.77 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 168 लाख करोड़ रुपए के वैल्यूएशन पर हो रही इस लिस्टिंग के बाद इलॉन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलिनियर बन सकते हैं।

ईरान-अमेरिका में समझौते की खबरों से शेयर मार्केट चढ़ा

सेंसेक्स में 1695 अंकों की तेजी, 75,527 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

ईरान-अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते की खबरों से शुक्रवार को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 1,695 अंक उछलकर 75,527 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 461 अंक चढ़कर 23,622 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान रियल्टी, प्राइवेट बैंक, सरकारी बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। सुबह भी बाजार मजबूत शुरुआत के साथ खुला था।

बाजार में तेजी की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बयान रहा। ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने एक नए समझौते को मंजूरी दे दी है। उनके मुताबिक, इस समझौते के तहत ईरान परमाणु हथियार नहीं रखेगा और डील होने पर होर्मुज जलडमरूमध्य को भी खोल दिया जाएगा। हालांकि, ईरान ने अभी तक

इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसके बावजूद समझौते की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। शेयर बाजार में कल यानी 11 जून को मिला-जुला कारोबार रहा। सेंसेक्स डे हाई से 562 अंक गिरकर 73,833 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 23,162 के स्तर पर आ गया है। कल के कारोबार में आईटी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। सेंसेक्स सुबह गिरावट के साथ खुला था। लेकिन कारोबार के दौरान ये करीब 400 अंक चढ़कर 74,394 के डे हाई पर पहुंच गया।

ग्लूकोमा से पीड़ित एक मरीज की आंख की पुतली में लगाया गया इंजेक्शन

उम्र रोकने की दवा का पहली बार इंसान पर हुआ परीक्षण

बोस्टन, एजेंसी

मेडिकल साइंस के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक 'रिवर्स-एजिंग' यानी बुढ़ापा रोकने की दवा का इंसानों पर पहला ट्रायल शुरू हो गया है। पहली बार उम्र के असर को उलटने वाला इंजेक्शन किसी इंसान को लगाया गया है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित बायोटेक स्टार्टअप 'लाइफ बायोसाइंसेज' ने बताया कि उनके पहले मरीज को सेल्यूलर रीप्रोग्रामिंग का इंजेक्शन दे दिया गया है। परीक्षण के तहत यह इंजेक्शन ग्लूकोमा (काला मोतिया) से पीड़ित मरीज की एक आंख की पुतली में लगाया गया है।

इस ट्रायल का मुख्य उद्देश्य उम्र बढ़ने के कारण कमजोर हो चुकी

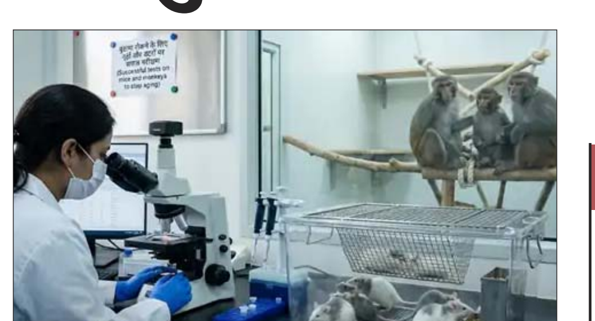

कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है। अगले 6 महीने तक वैज्ञानिक इसके असर और साइड इफेक्ट्स पर नजर रखेंगे।

लाइफ बायोसाइंसेज के सीईओ जेरी मैकलॉघलिन ने कहा कि यह उनकी कंपनी या एजिंग बायोलॉजी ही नहीं, पूरे मेडिकल साइंस के लिए संभावित रूप से बड़ा और परिवर्तनकारी पल है।

अगर यह क्लिनिकल ट्रायल सफल रहा, तो एजिंग थेरेपी में नया युग शुरू हो सकता है। लक्ष्य पूरे शरीर की कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है, ताकि उम्र बढ़ने के साथ डीएनए के काम करने और उसके एक्सप्रेशन के तरीके में सुधार हो सके।

इससे पहले चूहों और बंदरों पर हो चुका है सफल टेस्ट

अब डॉक्टर और वैज्ञानिक आने वाले कई महीनों तक मरीज की बारीकी से निगरानी करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तकनीक इंसानी शरीर के लिए पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं।

इस थेरेपी में सबसे पहले मरीज की आंख में एक सिंगल जीन थेरेपी इंजेक्शन दिया गया है। इसके बाद कुछ हफ्तों तक एंटीबायोटिक दवाओं का एक विशेष कोर्स कराया जाएगा।

यह एंटीबायोटिक दवा शरीर के भीतर जाकर उन तीन इलाज करने वाले जीनों के लिए 'ऑन स्विच' का काम करेगी, जो कोशिकाओं को रीप्रोग्राम (युवा) करना शुरू करते हैं। इससे पहले चूहों और बंदरों पर हुए टेस्ट में इसने उनकी रोशनी सफलतापूर्वक वापस लौटा दी थी।

इस थैरेपी के लिए इंसानों की आंख को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंख शरीर के बाकी हिस्सों से अलग और सुरक्षित होती है। इससे साइड इफेक्ट्स पर नजर रखना भी आसान होता है।

जांच : एफएसएसएआई ने नेस्ले, केएफसी और फ्लिपकार्ट को नोटिस भेजा

मैगी और ओपन सीक्रेट के पैकेट में मिले जिंदा कीड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने सोशल मीडिया पर आई शिकायतों के बाद एक्शन लेते हुए नेस्ले सहित कई बड़ी कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नेस्ले को यह नोटिस उसके सबसे लोकप्रिय प्रोडक्ट मैगी के एक पैकेट में कीड़े (लार्वा) मिलने की शिकायत के बाद दिया गया है। FSSAI ने इस मामले में कंपनी से तुरंत एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

FSSAI ने सोशल मीडिया पर वायरल हुई अन्य शिकायतों पर भी एक्शन लेते हुए हाइजीन (साफ-सफाई) से जुड़े मुद्दों को लेकर फास्ट-फूड चेन KFC को भी

नोटिस दिया है। इसके अलावा, खजूर के एक प्रोडक्ट में कीड़े मिलने की शिकायत पर फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट कंपनी को भी रेगुलेटर ने जवाब देने को कहा है।

खाद्य नियामक (FSSAI) ने नेस्ले इंडिया से जो डिटेल्ड एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है, इसमें तीन मुख्य क्षेत्रों को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं:

सोर्स और क्वालिटी चेक लॉगः नेस्ले को सबसे पहले उस खास बैच (ग्रुप) का पता लगाना होगा, जिसमें गड़बड़ी की शिकायत मिली है। कंपनी को यह बताना होगा कि इस बैच का कच्चा माल किस वेंडर से आया था और पैकेट ग्राहकों तक पहुंचने से पहले कंपनी के अंदर इसकी क्वालिटी की जो जांच हुई थी, उसके पूरे रिकॉर्ड (कागजात) पेश करना होगा। कंपनी को यह साबित करना होगा कि शिकायत वाले बैच या संभावित रूप से प्रभावित स्टॉक को बाजार और सप्लाई चेन से हटाने के लिए उसने तुरंत क्या सुधारात्मक कदम उठाए हैं, ताकि यह ग्राहकों तक न पहुंचे।

सोशल मीडिया पर वायरल शिकायतों के बाद कार्रवाई

नेस्ले, KFC, फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट को एक साथ जारी हुए नोटिसों से फूड सेफ्टी रेगुलेशन का एक नया पैटर्न दिखाई दे रहा है। अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल होने वाली उपभोक्ताओं की शिकायतें सीधे आधिकारिक रेगुलेटरी नोटिस में बदल रही हैं। इससे किसी व्यक्तिगत शिकायत और कंपनी से मांगी जाने वाली आधिकारिक रिपोर्ट के बीच का समय बहुत कम हो गया है। भारत में काम कर रही खाद्य और क्विक सर्विस कंपनियों के लिए यह एक बड़ा ऑपरेशनल रिस्क (कामकाजी जोखिम) बन चुका है, जहां एक सिंगल वायरल पोस्ट कंपनी के लिए कानूनी और प्रतिष्ठा से जुड़ी मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

कैलिफोर्निया: मेडिकल इक्विपमेंट गोदाम में लगी भीषण आग

आस-पास की इमारतें कराई गई खाली

वाशिंगटन, एजेंसी

कैलिफोर्निया में गुरुवार को एक मेडिकल उपकरण गोदाम में भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया, जिसके चलते अधिकारियों को आग पर काबू पाने के दौरान आस-पास की अन्य इमारतों को भी एहतियातन खाली कराना पड़ा।

आग सैन फ्रांसिस्को से लगभग 88.5 किलोमीटर पूर्व में स्थित ट्रेसी शहर में लगी। गोदाम प्रमुख मेडिकल-सर्जिकल उत्पाद प्रदाता कंपनी मेडलाइन का वितरण केंद्र है। साउथ सैन जोकिन काउंटी फायर अथॉरिटी के फायर चीफ रैंडल ब्रैडली के अनुसार, आग सड़क पार कर एक फेडेक्स सुविधा तक फैल गई थी, लेकिन दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने में सफल रहे।

शहर के पुलिस विभाग के सार्जेंट माइकल रिचड्र्स ने बताया कि तेज

हवाओं के कारण आग की लपटें और चिंगारियां फैलने का खतरा बढ़ गया था, इसलिए इलाके के एक बड़े हिस्से को खाली करा लिया गया है। 93,000 वर्ग मीटर का यह गोदाम एक विशाल औद्योगिक पार्क में स्थित है, जहां अमेजन, होम डिपो और फेडेक्स के फुलफिलमेंट और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर भी मौजूद हैं।

राहत की बात यह है कि मेडलाइन ने पुष्टि की है कि घटना के वक्त साइट पर मौजूद उनके सभी कर्मचारी और अन्य कर्मी सुरक्षित हैं। कंपनी के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, कि हम आग के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं ।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96